सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शमी अगले सत्र में बंगाल से खेलकर प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे..... -पेज: 7

फिल्म अबीर गुलाल विवाद पर बोलीं वाणी कपूर..... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 103 | मंगलवार 22 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

ऑपरेशन सिंदूर रहा कामयाब, आतंकी आकाओं के ठिकानों को 22 मिनट में ही किया जमींदोज: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश कई प्रकार की हिंसक वारदातों का शिकार रहा है, चाहे आतंकवाद हो या नक्सलवाद। कोई शुरूआत में हुआ कोई बाद में, आज नक्सलवाद-माओवाद का दायरा तेजी से सिकुड़ रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी): संसद के मानसून सत्र की कार्यवाही से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्रकारों को संबोधित किया। डिफेंस, इकोनॉमी, नक्सलवाद समेत कई विषयों पर विचार साझा कर कहा कि ये सत्र विजयोत्सव का है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह 100 फीसदी पूरा किया गया प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह 100 फीसदी पूरा किया गया। आतंकी आकाओं के घर जाकर 22 मिनट में ऑपरेशन सिंदूर के तहत उनके ठिकानों को जमींदोज किया गया। हमने यह सिद्ध करके दिखा दिया। इस अभियान के दौरान मेड इन इंडिया सैन्यशक्ति का नया स्वरूप दिखा है। विश्व भर में मेड इन इंडिया के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। मानसून सत्र राष्ट्र के लिए बहुत ही गौरवपूर्ण सत्र उन्होंने कहा कि ये मानसून सत्र राष्ट्र के लिए बहुत ही गौरवपूर्ण सत्र है। यह मानसून राष्ट्र के लिए विजयोत्सव का रूप है। पहली बार अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत का तिरंगा का लहराना हर देशवासी के लिए गौरव का पल है। देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी, नवाचार के प्रति नया उमंग और उत्साह भरने वाली यात्रा रही है। पूरे संसद, दोनों सदन और देशवासी जिस गौरव का अनुभव कर रहे हैं, उसमें एक स्वर से जुड़ेंगे और इसका यशगान होगा। आज नक्सलवाद-माओवाद का दायरा तेजी से सिकुड़ रहा है प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश कई प्रकार की हिंसक वारदातों का शिकार रहा है, चाहे आतंकवाद हो या नक्सलवाद। कोई शुरूआत में हुआ, कोई बाद में, आज नक्सलवाद-माओवाद का दायरा तेजी से सिकुड़ रहा है। इसे जड़ से उखाड़ने के संकल्प के साथ एक नए आत्मविश्वास और तेज गति से सफलता की ओर कदम रख रहे हैं। मैं गर्व से कह सकता हूं कि देश में सैकड़ों जिले आज मुक्ति की सांस ले रहे हैं। पहले जो क्षेत्र रेड कॉरिडोर के नाम से जाने जाते थे, वे अब ग्रीन ग्रोथ जोन में बदल रहे उन्होंने कहा कि बम, बंदूक और पिस्तौल के सामने भारत का संविधान विजयी हो रहा है। पहले जो क्षेत्र ह्यरेड कॉरिडोर के नाम से जाने जाते थे, वे अब ग्रीन ग्रोथ जोन में बदल रहे हैं, जो देश के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। वहीं, आर्थिक प्रगति को लेकर उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में दसवें स्थान पर था, लेकिन आज यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने इस प्रगति को देश की मेहनत और नीतियों का परिणाम बताया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह सत्र केवल कानून बनाने का अवसर नहीं, बल्कि देश की प्रगति और गौरव को विश्व पटल पर स्थापित करने का उत्सव है।

मुझे सदन में बोलने की अनुमति नहीं दी गई: राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी): लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि मानसून सत्र के पहले दिन वह सदन में अपनी बात रखना चाहते थे, लेकिन उन्हें इसकी अनुमति नहीं मिली, लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा सत्तापक्ष के दूसरे लोगों को बोलने का मौका दिया गया। उन्होंने सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक स्थगित होने के बाद संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि बतौर नेता प्रतिपक्ष सदन में अपनी बात रखने का उनको अधिकार है, लेकिन सत्तापक्ष का यह नया रवैया है कि उन्हें बोलने ही नहीं दिया जा रहा। राहुल गांधी का कहना था, ह्यह्यसदन में रक्षा मंत्री को बोलने दिया जाता है, उनके (सत्तापक्ष के) लोगों को बोलने दिया जाता है। विपक्ष के लोगों को बोलने की अनुमति नहीं मिलती है। मैं नेता प्रतिपक्ष हूं, सदन में बोलना मेरा हक है। मुझे कभी बोलने नहीं दिया जाता। यह एक नया रवैया है।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष जिन मुद्दों को उठा रहा है, उन पर अनुमति मिलने के बाद चर्चा होगी। उन्होंने फिर दोहराया, ह्यह्यपरंपरा है कि अगर सरकार के लोग कुछ कहें तो हमे भी मौका मिलना चाहिए। मैं दो शब्द कहना चाहता था

चीन के डैम से हमें घबराने नहीं, ब्रह्मपुत्र नदी पर बन रहे सबसे बड़े बांध को लेकर बोले सीएम हेमंत सरमा

नई दिल्ली (एजेंसी): चीन ने तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी में दुनिया के सबसे बड़े बांध का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। यह दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोपावर बांध होगा। चीन इस डैम को बनाने के लिए 167.8 बिलियन डॉलर खर्च करेगा। इस बीच असम के सीएम हेमंत बिस्वा सरमा ने चीन की इस परियोजना को लेकर एक अहम टिप्पणी की है। सीएम सरमा ने गुवाहाटी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र पर बनाए जा रहे विशाल बांध - 167.8 बिलियन डॉलर की परियोजना - के दो वैज्ञानिक पहलू हैं, जिनमें से एक यह है कि इससे पूर्वोत्तर राज्य को हर साल प्रभावित करने वाली बाढ़ की मात्रा को कम करने में मदद मिल सकती है। जानिए क्या बोले असम के सीएम हेमंत बिस्वा सरमा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए असम के सीएम हेमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि उन्हें असम के लोगों के लिए चिंता का कोई तत्काल कारण नहीं दिखता, क्योंकि नदी को मुख्य रूप से भूटान और अरुणाचल प्रदेश की सहायक नदियों से पानी मिलता है। आगे उन्होंने कहा कि बांध का प्रभाव उसके बनने के बाद ही पता चलेगा और उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मामले में अपने चीनी समकक्ष के संपर्क में है। इन दो पहलुओं के बारे में की सीएम ने बात कार्यक्रम को संबोधित करते हुए असम के सीएम हेमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि मुझे तुरंत चिंता नहीं है क्योंकि ब्रह्मपुत्र एक विशाल नदी है और यह पानी के किसी एक स्रोत पर निर्भर नहीं है। ब्रह्मपुत्र को अपना ज्यादातर पानी भूटान और अरुणाचल प्रदेश से मिलता है, और बारिश का पानी व अन्य प्रकार का पानी हमारे राज्य से ही आता है। इसके अलावा दो अलग-अलग पहलुओं पर बात करते हुए सीएम सरमा ने कहा कि पहला - अगर चीन नदी के प्रवाह में बाधा डालता है, तो पानी कम हो सकता है और जैव विविधता प्रभावित होगी। लेकिन एक विपरीत दृष्टिकोण भी है - अगर पानी कम आएगा, तो यह 'बाढ़ के लिए कुशन' का काम करेगा। लेकिन मुझे नहीं पता कि कौन सा सही है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में भारत सरकार दोनों विकल्पों पर विचार करेगी और तदनुसार कार्रवाई करेगी।

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रक्रिया शुरू, 145 सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली (एजेंसी): इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया सोमवार दोपहर से शुरू हो गई। जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर जले हुए 500 रुपये के नोटों के ढेर मिले थे, जिसके बाद भारी बवाल देखने को मिला था। दरअसल, सोमवार को सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के 145 सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक ज्ञापन सौंपा। एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) जैसे विपक्षी दलों के सांसदों ने ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है। बीजेपी के सांसदों ने भी किए हस्ताक्षरजस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लाए जाने वाले महाभियोग प्रस्ताव के ज्ञापन पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों, जैसे तेलुगु देशम पार्टी, जनता दल यूनाइटेड और जनता दल सेक्युलर, के सांसदों ने भी ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अब तक हस्ताक्षर करने वालों में भाजपा से पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, कांग्रेस के राहुल गांधी और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सुप्रिया सुले शामिल हैं। पहली बार किसी न्यायाधीश के खिलाफ लाया जा रहा महाभियोग जानकारी दें कि स्वतंत्र भारत में पहली बार किसी कार्यरत उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के महाभियोग की अब संसद द्वारा संविधान के अनुच्छेद 124, 217 और 218 के तहत जांच की जाएगी। जानिए क्या होता है महाभियोग? गौरतलब है कि महाभियोग सर्वोच्च न्यायालय या राज्य उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश को उसके पद से हटाने से हटाने का एक संवैधानिक प्रक्रिया है। जानकारी दें कि एक बार नियुक्त होने के बाद, न्यायाधीशों को राष्ट्रपति के आदेश के बिना पद से नहीं हटाया जा सकता, जिसके लिए संसद की सहमति आवश्यक होती है। यहां ध्यान देने वाली बात है कि भारतीय संविधान में 'महाभियोग' शब्द का उल्लेख नहीं है, लेकिन न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया न्यायाधीश जाँच अधिनियम, 1968 में उल्लिखित है और दो संवैधानिक प्रावधानों - अनुच्छेद 124 (सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए) और अनुच्छेद 218 (उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के लिए) में इसका उल्लेख है।

तमिलनाडु के सीएम स्टालिन अस्पताल में भर्ती, मॉर्निंग वॉक के दौरान अचानक बिगड़ी सेहत

चेन्नई (एजेंसी): तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन की तबीयत अचानक खराब हो गई। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया। उनके कुछ टेस्ट हुए हैं, जिनकी रिपोर्ट आने का इंतजार है। डॉक्टर ने सीएम हेल्थ अपडेट साझा किया है। यह घटना आज सुबह की बताई जा रही है। सीएम स्टालिन रोज की तरह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। तभी अचानक से उन्हें चक्कर आ गए। सीएम को फौरन चेन्नई स्थित अपोलो अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। रिपोर्ट्स का इंतजार अपोलो अस्पताल में मेडिकल सर्विस के डायरेक्टर डॉक्टर अनिल बीजी के अनुसार, सीएम स्टालिन के जरूरी डायगनॉस्टिक टेस्ट किए जा रहे हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। तमिलनाडु में सियासी उठा-पटक जारी बता दें कि तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसे लेकर राज्य में सियासी हलचल तेज होने लगी है। अन्नाद्रमुक के पूर्व मंत्री और सांसद अनवर राजा ने सोमवार को सीएम स्टालिन की मौजूदगी में द्रमुक का हाथ थामा है। वहीं, द्रमुक मुख्यालय पहुंचने के बाद ही अन्नाद्रमुक ने अनवर राजा को निष्कासित कर दिया था। अनवर राजा ने बीजेपी पर साधा निशाना आगामी चुनाव में अन्नाद्रमुक और बीजेपी साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, अनवर राजा का कहना है कि तमिलनाडु की राजनीति में बीजेपी का बढ़ता प्रभाव पार्टी के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। अन्नाद्रमुक को खत्म करके द्रमुक के खिलाफ लड़ना ही बीजेपी का मुख्य एजेंडा है।

ऑपरेशन सिंदूर: संसद में विपक्षी 'मिसाइलों' के जवाब में मोदी सरकार का 'डिफेंस सिस्टम' एक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी): संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को केंद्र और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। विपक्षी सांसदों ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर चर्चा की मांग की। दिन भर की कार्यवाही में तीखी नारेबाजी और बहस देखने को मिली। निचले सदन की कार्यवाही एक घंटे के भीतर दो बार स्थगित हुई, जबकि राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बीच तीखी बहस हुई। लोकसभा मे राजनाथ सिंह और राज्यसभा में जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है। वहीं, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सत्तारूढ़ पार्टी पर संसद में उन्हें बोलने नहीं देने का आरोप लगाया। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे न्यायाधीश यशवंत वर्मा को हटाने के प्रस्ताव से संबंधित नोटिस सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में दिए गए। लोकसभा की कार्यवाही विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। सदन में विपक्षी दलों के सदस्यों ने पहलगाम आतंकी हमले,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता संबंधी दावों और बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद समेत अन्य विषयों पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा किया। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे न्यायाधीश यशवंत वर्मा को हटाने के प्रस्ताव से संबंधित नोटिस सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में दिए गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपे गए नोटिस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद, अनुराग ठाकुर समेत कुल 145 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं। निचले सदन में अनुच्छेद 124, 217 और 218 के तहत नोटिस दिए गए हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को सदन में हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्यों से चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि उन्हें नारेबाजी करनी है तो वे सदन से बाहर चले जाएं क्योंकि सदन के भीतर ऐसा करना उचित नहीं है। ओम बिरला ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले की घटना ने पूरे विश्व की चेतना को आघात पहुंचाया है। बिरला ने यह भी कहा कि सदन आतंकवाद को लेकर भारत के जीरो टॉलरेंस (बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने) के संकल्प को भी दोहराता है। राज्यसभा की कार्यवाही राज्यसभा ने सोमवार को पोत परिवहन क्षेत्र से संबंधित वहन-पत्र विधेयक 2025 को पारित कर दिया, जिसमें अंग्रेजों के जमाने के मूल कानून के स्थान पर नया कानून बनाए जाने का प्रावधान है। सदन में विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में इस मंत्रालय ने पिछले 10-11 साल में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है और देश के प्रमुख पत्तनों को रेल एवं सड़क मार्गों से सुचारू रूप से जोड़ा गया है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को उच्च सदन को सूचित किया

बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाना यूपी सरकार की प्राथमिकता, स्वास्थ्य केंद्रों पर बनाए गए ओरआरएस और जिंक कार्नर

यूपी सरकार द्वारा डायरिया के प्रति समुदाय स्तर पर जनजागरूकता बढ़ाने, लोगों को ओआरएस और जिंक की महत्ता को भली भांति समझाने के लिए

लखनऊ (एजेंसी): शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाना उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। इसके लिए पूरे प्रदेश में डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैम्पेन) चलाया जा रहा है। 31 जुलाई तक चलने वाले अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से डायरिया के प्रति जन जागरूकता की अलख जगाई जा रही है। डायरिया से बचाव, कारण, रोकथाम व उपचार से जुड़े संदेशों वाले पोस्टर-बैनर व आडियो/वीडियो से सुसज्जित वाहन गली-मोहल्लों में पहुंच रहे हैं और लोगों को जागरूक बना रहे हैं। स्कूली बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कर जागरूकता के संदेश जन-जन तक पहुंचाए जा रहे हैं। दीवार लेखन और सार्वजनिक स्थलों पर ओआरएस-जिंक कार्नर बनाए गए हैं, निजी अस्पतालों को भी इस अभियान से जोड़ा गया है। यूपी सरकार द्वारा डायरिया के प्रति समुदाय स्तर पर जनजागरूकता बढ़ाने, लोगों को ओआरएस और जिंक की महत्ता को भली भांति समझाने के लिए पूरे प्रदेश में वृहद स्तर पर चलाए जा रहे स्टॉप डायरिया कैंपेन की इस साल की थीम- डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान तय की गई है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। इसके तहत जिलों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिसमें विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाएं भी स्वास्थ्य विभाग के सहयोग में जुटी हैं। पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू ने स्टॉप डायरिया कैम्पेन में सहयोग के लिए डायरिया से डर नहीं जैसा कार्यक्रम संचालित कर एक अनूठी पहल की है। सीएम योगी के निर्देश पर पीएसआई इंडिया पहले चरण में प्रदेश के सात जिलों फिरोजाबाद, मथुरा, मुरादाबाद, बदायूं, उन्नाव, गोंडा और श्रावस्ती में शुरू की गई है। इसके तहत स्वास्थ्य केंद्रों पर ओआरएस और जिंक कार्नर बनाए गए हैं, निजी अस्पतालों का भी इसमें सहयोग लिया जा रहा है और उनसे क्लिनिक में ओआरएस कार्नर बनाने व डायरिया केस की रिपोर्टिंग की अपील की जा रही है। प्रचार वाहन भी समुदाय के बीच पहुंचकर लोगों को डायरिया के लक्षण, कारण और बचाव आदि के बारे में जागरूक कर रहे हैं। आपको बता दें, सार्वजनिक स्थलों जैसे- बस स्टॉप, रेलवे स्टेशन आदि पर ओआरएस कार्नर बनाए गए हैं और जगह-जगह हस्ताक्षर अभियान भी चलाए जा रहे हैं। सार्वजनिक स्थलों और स्वास्थ्य केंद्रों पर दीवार लेखन के माध्यम से भी जन-जन को जागरूक किया जा रहा है कि डायरिया से डरने की नहीं, बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है और डायरिया होने पर बच्चे को जल्द से जल्द ओआरएस का घोल और जिंक का टेबलेट देना है। फ्रंट लाइन वर्कर का अभिमुखीकरण भी किया गया है ताकि वह लोगों को अच्छी तरह से परामर्श प्रदान कर सकें। वहीं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि डायरिया आज भी देश में खास तौर पर कमजोर आबादी और पांच साल से कम आयु वर्ग के बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में मौजूद है। यह बीमारी और मृत्यु दर के प्रमुख कारणों में से एक बना हुआ है। रोकथाम ही दस्त प्रबंधन की कुंजी है। डायरिया के रोकथाम के लिए मुख्य गतिविधियों में सुरक्षित पेयजल तक पहुंच, बेहतर स्वच्छता, साबुन-पानी से अच्छी तरह से हाथ धोना, पर्याप्त पोषण जिसमें केवल स्तनपान और पूरक आहार शामिल हों , इसके अलावा समय पर

संपादकीय

टीआरएफ पाबंदी के बाद...

अमरीका के विदेश मंत्रालय ने बीती 2 जुलाई की आंतरिक बैठक में तय कर लिया था कि 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन घोषित करना है। उसके आतंकियों को 'वैश्विक आतंकवादी' घोषित करना है तथा टीआरएफ पर चौतरफा पाबंदियां चस्पां करनी हैं। यह बुनियादी फैसला भारत सरकार के साथ साझा किया गया था। अंततः इस निर्णय की घोषणा 17 जुलाई को की गई। पहलगाम नरसंहार के तीन महीने बाद अमरीका ने यह निर्णय लिया है तथा उस आतंकी हमले की घोर निंदा भी की है। बहरहाल अमरीका ने साबित कर दिया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वह भारत के साथ खड़ा है और उसका सहयोगी है। अमरीका कई संदर्भों में दोगला हो सकता है, झूठ भी परोस सकता है, उसकी कूटनीति हो सकती है, लेकिन बुनियादी तौर पर वह भारत-विरोधी नहीं है। भारत उसका रणनीतिक साझेदार है, इस सच को नकार नहीं सकते।

टीआरएफ पाकिस्तान में सक्रिय 'लश्कर-ए-तैयबा' का मुखौटा संगठन है। चूंकि लश्कर पर भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाए गए थे, लिहाजा उसके कारण फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (फाट्फ) की ग्रे लिस्ट में पाकिस्तान को डाला गया था। तब नए नाम से यह आतंकी संगठन बनाया गया। अब लश्कर, जैश-ए-मुहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन, हरकत-उल-मुजाहिदीन, जमात-उद-दावा, मिली मुस्लिम लीग, तहरीक-ए-तालिबान और अल बद्र आदि आतंकी संगठनों की जमात में टीआरएफ भी आ गया है। अमरीका पाकिस्तान के ऐसे 13 आतंकी संगठनों पर पाबंदी चस्पां कर चुका है। हाफिज सईद, मसूद अजहर, सैयद सलाहुद्दीन आदि आर्तकियों की तरह टीआरएफ के आर्तकियों पर भी पाबंदियां थोप दी गई हैं। टीआरएफ ऐसा संगठन रहा है, जिसके आर्तकियों ने 5 अगस्त, 2019, संसद में अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त करने वाले दिन, के बाद जम्मू-कश्मीर में करीब 95 फीसदी लक्षित हत्याएं की हैं। शुरू में समझा गया था कि यह सोशल मीडिया पर सक्रिय कोई संगठन है, लेकिन सेना-सुरक्षा बलों ने जिन आर्तकियों को मुठभेड़ में ढेर किया अथवा पूछताछ के दौरान जो खुलासे सामने आए, उनसे साबित होता गया कि यह लश्कर का मुखौटा संगठन है और उसी की शैली पर हमले करता है।

चिंतन-मनन

दोनों प्रकार का धन एक साथ नहीं मिल सकता

संसार में दो प्रकार का धन होता है भौतिक धन और दूसरा आध्यात्मिक धन। मनुष्य का स्वभाव है कि वह ज्यादा से ज्यादा धन कमाने की चाहत रखता है। कोई व्यक्ति सोना, चांदी, रुपए पैसे का अंबार लगाकर धनवान कहलाता है तो कोई भूखा, प्यासा रहकर भी धनवान कहलता है। वास्तव में धनवान दोनों हैं। एक भौतिक धन का धनी है तो दूसरा अध्यात्मिक धन का धनी है। शाछ्त्र और पुराण कहते हैं कि दोनों धनों में से अध्यात्म रूपी धन ज्यादा श्रेष्ठ है क्योंकि इसे कोई छीन नहीं सकता। इसे कोई चुरा भी नहीं सकता है। जिसके पास अध्यात्म रूपी धन होता है वह निश्चिंत होता है। उसे किसी प्रकार की चिंता और भय नहीं रहता है। संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो एक साथ इन दोनों धनों का सुख प्राप्त कर सके। अध्यात्म और भौतिक धन दोनों दो नाव के समान हैं। आप जानते हैं कि दो नाव की सवारी एक साथ नहीं की जा सकती, अगर ऐसा करेंगे तो डूबना तय है। मर्जी हमारी है कि हम अध्यात्मिक धन अर्जित करके ईश्वर का ऋण चुका दें और जीवन-मरण के चप्र को पार करके दु?ख से मुक्ति प्राप्त कर लें। दूसरा रास्ता यह है भौतिक धन अर्जित करके सांसारिक सुख का आनंद लें और बार-बार जीवन-मरण के चप्र में उलझकर पाप का फल प्राप्त करें। भागवत कहता है कि ईश्वर जिसे प्यार करता है उससे उसका सब कुछ छीन लेता है। सब कुछ छीन लेने का अर्थ है सांसारिक सुख छीन लेना। कबीर दास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, सूरदास, करमैती बाई इसके उदाहरण हैं। ईसा मसीह ने भी कहा है कि सूई के छिद्र से ऊंट भले ही पार कर जाए लेकिन एक अमीर आदमी स्वर्ग प्राप्त नहीं कर सकता। स्वर्ग नहीं मिलने का अर्थ है, ईश्वर की कृपा प्राप्त नहीं होना।...

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भारत माता एक बार फिर विवादों के घेरे में

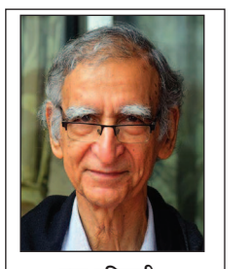

राम पुनियानी

सन् 2016 में आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा था कि अब समय आ गया है जब हमें हमारी नई पीढ़ी को हर महत्वपूर्ण मौके पर भारत माता की जय का नारा लगाना सिखाना होगा। इस पर असादुद्दीन ओवैसी ने कहा था कि अगर कोई उनकी गर्दन पर चाकू भी अड़ा दे तब भी वे भारत माता की जय नहीं कहेंगे। हाल (जून 2025) में केरल में इस मुद्दे पर फिर एक विवाद खड़ा हो गया। केरल के राज्यपाल राजेन्द्र अर्लेकर ने स्काउट विद्यार्थियों के लिए राजभवन में एक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम केरल सरकार के शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में मंच की पृष्ठभूमि में भारत माता का चित्र लगा था। वह वही चित्र था जिसे आरएसएस प्रचारित करता आया है और जिसमें भारत माता भगवा वस्त्र हाथ में लिए एक हिन्दू देवी जैसी दिखती हैं।

केरल सरकार के शिक्षा मंत्री ने कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया। पुरस्कार विजेताओं को बधाई देने के बाद वे कार्यक्रम स्थल से चले गए। राज्यपाल ने इसका बुरा माना परंतु केरल के मुख्यमंत्री पिनयारी विजयन का तर्क था कि दरअसल राज्यपाल ने संविधान-विरोधी हरकत की थी क्योंकि भारत माता देश के संविधान का हिस्सा नहीं हैं। शिक्षा मंत्री शिवन कुट्टी, जिन्होंने कार्यक्रम का बहिष्कार किया, ने ठीक ही कहा कि, 'यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि भारतीय राष्ट्रवाद किसी एक सांस्कृतिक छवि पर आधारित न होकर हमारे संविधान में निहित समावेशिता और प्रजातंत्र के मूल्यों पर आधारित हो। राज्यपाल को यह साफ करना चाहिए कि संघ परिवार की भारत माता देश की वर्तमान सीमाओं को स्वीकार करती हैं या नहीं। भारत एक एकसार राष्ट्र नहीं है जिसे किसी एक प्रतीक या छवि के आसपास निर्मित किया गया हो। हमारे गणतंत्र का जन्म इसलिए हुआ क्योंकि हमने सोच-समझकर यह निर्णय लिया कि हम एक बहुवादी, धर्मनिरपेक्ष देश का निर्माण करेंगे जिसका ढांचा संघीय होगा। भगवा झंडा हाथों में थामे एक महिला के चित्र को यदि देशभक्ति का एकमात्र प्रतीक बताया जाएगा तो यह हमारे इतिहास से मुंह मोड़ना होगा। देशभक्ति को किसी एक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य से देखना ना केवल अत्री-साधारीकरण है वरन हमारे स्वाधीनता संग्राम की समृद्ध विरासत को कमजोर करने वाला भी है।' राजभवन में आरएसएस से जुड़े चित्रों के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए पिनयारी विजयन ने कहा कि राज्यपाल के कार्यालय का उपयोग आरएसएस के वैचारिक एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

किसी मानवीय आकृति को देश के प्रतीक का दर्जा देने की अवधारणा सबसे पहले 19वीं सदी के मध्य में अजीमुल्लाह खान ने प्रस्तुत की थी जो नानासाहेब पेशवा के निकट सहयोगी थे। वे नानासाहेब की पेंशन से जुड़ी किसी समस्या को सुलझाने के लिए इंग्लैंड गए थे। वहां उन्होंने देखा कि अंग्रेज भारतीयों से बेइंतेहा नफरत करते हैं। देश और उसके नागरिकों के आत्मसम्मान की खातिर उन्होंने एक नारा गढ़ा 'मादरे वतन भारत की जय'। इस नारे का इस्तेमाल काफी लंबे समय तक हुआ। बाद में अवीन्द्रनाथ चटर्जी ने एक स्त्री के चित्र को भारत माता के रूप में प्रस्तुत किया। मगर यह स्त्री किसी धर्म विशेष की प्रतीत नहीं होती थी।

स्वाधीनता संग्राम से लोगों को जोड़ने के लिए अनेक नारों का इस्तेमाल किया गया। जवाहरलाल नेहरू ने भारत माता के स्वरूप का बहुत सुंदर विवरण प्रस्तुत किया। पंडित नेहरू की पुस्तक 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' पर आधारित टीवी सीरियल 'भारत एक खोज', जिसे श्याम बेनेगल ने निर्देशित किया था, के एक एपीसोड में इस विषय पर चर्चा है। नेहरू एक गांव में आमसभा को संबोधित कर रहे हैं। श्रोता भारत माता की जय का नारा लगाते हैं। ...

संसद में हंगामा मतलब समय और संसाधनों की बबार्दी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

संसद के मानसून सत्र की शुरूआत हो चुकी है और जैसा कि उम्मीद थी, सत्र की शुरूआत हंगामेदार रही। विपक्ष पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मणिपुर, चीन जैसे विषयों पर नारेबाजी कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष ने दोनों सदनों में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि, एक ओर ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक और शानदार सफलता की दुंदभि देशवासियों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी जोर-शोर से बज रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता अपने एक एजेंडा और झूठे नैरेटिव के साथ भारत को बदनाम करने के मिशन पर चल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राहुल गांधी बार-बार सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि हमारे कितने फाइटर जेट को नुकसान हुआ। दरअसल, वे पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। उन्हें पूछना तो यह चाहिए कि हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान को किस तरह तहस-नहस कर दिया? लेकिन राहुल गांधी द्वारा अनाप-शनाप तरीके से ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना किसी के भी गले नहीं उतर रही है।

वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय कहीं राजनीतिक तौर मोदी सरकार को न मिल जाए, इसलिए विपक्ष लगातार रणनीति के तहत अनावश्यक सवाल पूछ कर ऑपरेशन सिंदूर पर सेना और सरकार को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है। विपक्ष के इस रवैये से सेना का मनोबल तो गिरता ही है, वहीं देश की उपलब्धियों और गर्व के क्षणों पर भी ग्रहण लगता है।

ये कोई पहली बार नहीं है जब विपक्ष खासकर कांग्रेस किसी विदेशी नेता के बयान या रिपोर्ट के आड़ में संसद को समय बर्बाद कर रहा है। विपक्ष अपने आलोचना धर्म की आड़ में विपक्ष देश की उपलब्धियों और मान–सम्मान पर बेजा टीका–टिप्पियां करने से बाज नहीं आता। राजनीतिक विचारधारा की लड़ाई अपनी जगह है। पक्ष–विपक्ष में बहस, तर्क वितर्क और टीका टिप्पणी तो लोकतंत्र की प्राणवायु है। लेकिन सरकार या किसी राजनीतिक दल पर हमला करते करते देश के मान सम्मान को नीचा गिरा देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। और देश के संविधान, सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को हासिल नहीं है। भले ही व्यक्ति किसी भी पद या पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ हो। हर नागरिक के लिए राष्ट्र प्रथम का भाव सर्वोपरि, सर्वोत्तम और सिर माथे पर होना ही चाहिए।

मामला चाहे देश की सुरक्षा से जुड़ा हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की बात हो। विपक्ष सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं के बयान पर विश्वास करने की बजाय दूसरे देशों और विदेशी एजेंसियों एवं संस्थाओं के बयान, रिपोर्ट और बयानबाजी पर संसद में हंगामा करता है। असल में संसद सत्र के दौरान देश और दुनिया का ध्यान उस तरफ होता है। इस समय और अवसर का देशहित और जनहित में करने की बजाय विपक्ष सरकार की छवि धूमिल करने, उसकी साख गिराने और अपनी राजनीति चमकाने के लिये करता है।

2023 के बजट सत्र में अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ था। अगस्त 2024 में हिंडनबर्ग की एक और रिपोर्ट सामने आई थी। तब भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के समय को लेकर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा था कि, पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा है कि हर बार संसद सत्र से ठीक पहले विदेश से एक रिपोर्ट जारी कर दी जाती है। इसको आधार बनाकर विपक्ष संसद में हंगामा खड़ा करता है। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश करार दिया था। अब हिंडनबर्ग के बारे में एक भी शब्द राहुल गांधी या विपक्ष का कोई नेता बोलता सुनाई नहीं देता।

विपक्ष की राजनीतिक सोच और विचार का समर्थन करने वाला एक तथाकथित तबका देश में मौजूद है। ये लोग भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध के विरोध के लिए ह्यसे नो टू वॉरह्ण कह रहे थे वही लोग आज सीजफायर की खिल्ली उड़ा रहे हैं। अब यही लोग कह रहे हैं कि सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे झुक गई। यह लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के इरादे और जज्बे से कर रहे हैं। इनका मूल उद्देश्य यही है कि किसी भी तरह यह साबित कर सकें कि सीजफायर को स्वीकार करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक कमजोर पीएम साबित किया जा सके। इस तरह की दोहरा रवैया देखकर वास्तव में हंसी आती है कि खुद को बुद्धिजीवी समझने वाले ये लोग आखिर चाहते क्या हैं?

इस साल बजट सत्र में राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी 119 प्रतिशत, जबकि लोकसभा की 118 प्रतिशत रही। विपक्ष ने नई शिक्षा नीति, मणिपुर के हालात और बढ़ती रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवाल पूछे थे। इस दौरान कुल 16 बिल पास हुए। जट सत्र के आंकड़े भले थोड़े अच्छे दिख रहे हों, पर आमतौर पर संसद से हंगामे की तस्वीरें ही ज्यादा आती हैं। लेकिन बजट सत्र के विपरीत शीतकालीन सत्र में संसद के बहुमूल्य समय और संसाधन नष्ट हुए।

18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। सत्र के दौरान लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 57.87 प्रतिशत, राज्यसभा में 41 प्रतिशत रही। संविधान पर चर्चा के दौरान लोकसभा में 16 घंटे जबकि राज्यसभा में 17 घंटे बहस हुई। वहीं, लेजिस्लेटिव थिंक टैंक पीआरएस इंडिया के अनुसार 20 दिनों की कार्यवाही में से लोकसभा में 12 दिन प्रश्न काल 10 मिनट से ज्यादा नहीं चल सका। शीत सत्र उदाहरण है, जब लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हो गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप लगातार दोहरा रहे हैं कि उन्होंने दोनों पड़ोसियों में शांति कराई। अब तो उन्होंने यह भी दावा कर दिया है कि संघर्ष में कुछ जेट गिरे थे। सरकार पर स्थिति स्पष्ट करने का दबाव होगा। इसी तरह, चुनाव आयोग का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी सर केवल वोटिंग लिस्ट की समीक्षा तक सीमित नहीं रह गया है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने सर की टाइमिंग को सही नहीं माना है, तो सरकार को कुछ कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ सकता है। संसद की कार्यवाही अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर काम करना होगा। राजनीतिक दल अलग-अलग विचारधाराओं के हो सकते हैं, मगर सदन का अच्छी तरह चलना सभी की जिम्मेदारी है। सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन का काम नहीं करना समय के साथ देश के संसाधनों की भी बबार्दी है। उम्मीद करनी चाहिए कि हमारे प्रतिनिधि संसद के चालू सत्र में हंगामा करके राजनीति चमकाने और सस्ती लोकप्रियता बटोरने की बजाय संसद के बहुमूल्य समय और संसाधनों का सकारात्मक और सार्थक उपयोग करेंगे।

भारत में तेज गति से आगे बढ़ता पर्यटन उद्योग

भारत में पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए कई वर्षों से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, परंतु इस क्षेत्र में वृद्धि दर कम ही रही है। क्योंकि, भारत में पर्यटन का दायरा केवल ताजमहल, कश्मीर एवं गोवा आदि स्थलों तक ही सीमित रहा है। परंतु, हाल ही के वर्षों में धार्मिक क्षेत्रों यथा, अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, उज्जैन, हरिद्वार, उत्तराखंड में चार धाम (केदारधाम, बद्रीधाम, गंगोत्री एवं यमुनोत्री), माता वैष्णोदेवी एवं दक्षिण भारत स्थित विभिन्न मंदिरों सहित, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं सिक्ख धर्म के कई पूजा स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर इन्हें आपस में जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किए गए हैं। इससे भारत में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है। विभिन्न देशों से भी अब पर्यटक इन नए विकसित किए गए धार्मिक स्थलों पर भारी मात्रा में पहुंच रहे हैं। योग एवं आयुर्वेद भी हाल ही के समय में विदेशों में काफी लोकप्रिय हो गया है अतः इसकी खोज के लिए विदेशों से कई पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन करने के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इससे विदेशी पर्यटन भी देश में तेजी से वृद्धि दर्ज कर रहा है।

हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में 'स्व' का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन 2 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। दिनांक 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में सम्पन्न हुए प्रभु श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद स्थानीय कारोबारी अपना उज्जवल भविष्य देख रहे हैं। अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। जेफरीज के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विश्वनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं।

विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटीकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है। अयोध्या में तो किसी भी धर्म, मत, पंथ मानने वाले नागरिकों पर किसी भी प्रकार की पाबंदी नहीं होगी। अतः अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 5 से 10 करोड़ तक प्रतिवर्ष जा सकती है। एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराता है। इस संख्या के हिसाब से तो लाखों नए रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। यह विशेष रेलगाड़ी 18 दिनों में 8000 किलो मीटर की यात्रा सम्पन्न करेगी, इस विशेष रेलगाड़ी के इस रेलमार्ग पर 18 स्टॉप होंगे। यह विशेष रेलमार्ग प्रभु श्रीराम से जुड़े ऐतिहासिक नगरों अयोध्या, चित्रकूट एवं छतीसगढ़ को जोड़ेगा। अयोध्या में नवनिर्मित प्रभु श्रीराम मंदिर वैश्विक पटल पर इस रूट को भी रखेगा। इसके पूर्व में केंद्र सरकार ने भी देश के 12 शहरों को 'हृदय' योजना के अंतर्गत भारत के विरासत शहरों के तौर पर विकसित करने की घोषणा की है। ये शहर हैं, अमृतसर, द्वारका, गया, कामाख्या, कांचीपुरम, केदारनाथ, मथुरा, पुरी, वाराणसी, वेल्लांकनी, अमरावती एवं अजमेर। हृदय योजना के अंतर्गत इन शहरों का सौंद्रयीकरण किया जा रहा है ताकि इन शहरों की पुरानी विरासत को पुनर्विकसित कर पुनर्जीवित किया जा सके। इस हेतु देश में 15 धार्मिक सर्किट भी विकसित किये जा रहे हैं। 'हृदय' योजना को लागू करने के बाद से केंद्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने कई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इनमें से अधिकतर परियोजनाओं पर काम भी प्रारम्भ हो चुका है। इन सभी योजनाओं का चयन सम्बंधित राज्य सरकारों की राय के आधार पर किया गया है।

केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा पर्यटन की गति को तेज करने के उद्देश्य से किए जा रहे उक्तवर्णित उपायों के चलते अब भारतीय पर्यटन उद्योग तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय पर्यटन उद्योग ने वर्ष 2024 में 2,247 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आकार ले लिया है। वर्ष 2033 तक इसके 3,812 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचने की सम्भावना है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2034 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान बढ़कर 43.25 लाख करोड़ रुपए का हो जाने वाला है। भारत के हवाईअड्डों पर भारी भीड़ अब आम बात हो गई है एवं हेरिटेज स्थलों पर विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ दिखाई देने लगी है। देश के नागरिक एवं अन्य देशों के पर्यटक भारत में पर्यटन के लिए घरों से बाहर निकलने लगे हैं। भारत में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है एवं आम भारतीयों की डिसपोजेबले आय में भी वृद्धि दर्ज हुई है। अतः भारतीय नागरिक, विदेशी स्थलों पर पर्यटन के लिए जाने के स्थान पर अब भारत में ही विभिन्न स्थलों पर पर्यटन करने लगे हैं। इस बीच देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं का विस्तार भी किया गया है। होटल उद्योग ने भारी मात्रा में होटलों का निर्माण कर पर्यटन स्थलों पर उपलब्ध कमरों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है। रेल एवं हवाई यात्रा को बहुत सुगम बनाया गया है तथा 4 लेन से लेकर 8 लेन की सड़कों का निर्माण किया गया है, जिससे पर्यटकों के लिए यातायात की सुविधाओं में बहुत सुधार हुआ है। इससे कुल मिलाकर अब भारतीय परिवार अपने घर से बाहर भी घर जैसा वातावरण एवं आराम महसूस करने लगे है। अतः अब भारतीय परिवार वर्ष में कम से कम एक बार तो पर्यटन के लिए अपने घर से बाहर निकलने लगे हैं।

वर्ष 2023 में भारत में अंतरराष्ट्रीय हवाई उड़ानों में 124 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है और 1.92 करोड़ विदेशी पर्यटक भारत आए हैं, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। विदेशी पर्यटन से विदेशी मुद्रा की आय 15.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 1.71 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गई है। गोवा, केरल, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, पश्चिमी बंगाल एवं पंजाब में देशी पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। अब तो उत्तर प्रदेश भी विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। वर्ष 2022 में 31.7 करोड़ भारतीय पर्यटक उत्तर प्रदेश पहुंचे हैं। वर्ष 2023 में तमिलनाडु में 10 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक पहुंचे हैं। वर्ष 2025 में प्रयागराज में आयोजित किए गए महाकुम्भ मेले के अवसर पर लगभग 66 करोड़ श्रद्धालु त्रिवेणी के पावन तट पर आस्था की डुबकी लगाने के लिए पहुंचे हैं, जो अपने आप में विश्व रिकार्ड है।

भारत में यात्रा एवं पर्यटन उद्योग 8 करोड़ व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रहा है एवं देश के कुल रोजगार में पर्यटन उद्योग की 12 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। भारत में प्राचीन समय से धार्मिक स्थलों की यात्रा, पर्यटन उद्योग में, एक विशेष स्थान रखती है। एक अनुमान के अनुसार, देश के पर्यटन में धार्मिक यात्राओं की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत के बीच रहती है। देश के पर्यटन उद्योग में लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की जा रही है जबकि वैश्विक स्तर पर पर्यटन उद्योग केवल 5 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज कर रहा है। देश में पर्यटन उद्योग में 87 प्रतिशत हिस्सा देशी पर्यटन का है जबकि शेष 13 प्रतिशत हिस्सा विदेशी पर्यटन का है। अतः भारत में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने के उद्देश्य से केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार धार्मिक स्थलों को विकसित करने हेतु प्रयास कर रही हैं। पर्यटन उद्योग में कई प्रकार की आर्थिक गतिविधियों का समावेश रहता है। यथा, अतिथि सत्कार, परिवहन, यात्रा इंतजाम, होटल आदि। इस क्षेत्र में व्यापारियों, शिल्पकारों, दस्तकारों, संगीतकारों, कलाकारों, होटेल, वेटर, कूली, परिवहन एवं टूर आपरेटर आदि को भी रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।

केंद्र सरकार के साथ साथ हम नागरिकों का भी कुछ कर्तव्य है कि देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हम भी कुछ कार्य करें। जैसे प्रत्येक नागरिक, देश में ही, एक वर्ष में कम से कम दो देशी पर्यटन स्थलों का दौरा अवश्य करे। विदेशों से आ रहे पर्यटकों के आदर सत्कार में कोई कमी न रखें ताकि वे अपने देश में जाकर भारत के सत्कार का गुणगान करे। आज करोड़ों की संख्या में भारतीय, विदेशों में रह रहे हैं। यदि प्रत्येक भारतीय यह प्रण करे की प्रतिवर्ष कम से कम 5 विदेशी पर्यटकों को भारत भ्रमण हेतु प्रेरणा देगा तो एक अनुमान के अनुसार विदेशी पर्यटकों की संख्या को एक वर्ष के अंदर ही दुगना किया जा सकता है।

(सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

राष्ट्रीय सेवी संगठन के कार्यकताओं ने किया प्रदर्शन

मध्य गंगा नहर में किया जाए पानी प्रवाहितः- कृष्ण कुमार शर्मा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के ग्राम बेगपुर मुंडा में मध्य गंगा नहर में पानी प्रवाहित किए जाने की मांग को लेकर राष्ट्रीय सेवी संगठन के कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रसेवी संगठन के कार्यकर्ता ग्राम बेगपुर मुंडा में मध्य गंगा नहर के पुल पर इकट्ठा हुए। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि लगभग 20 वर्ष से अधिक समय नहर की खुदाई होते हुए हो चुका है। काफी कृषि योग्य भूमि का किसानो से अधिग्रहण कर लिया गया है। मुख्य नहर निर्माण का काम भी लगभग पूरा हो चुका है। दो वर्ष से कुछ समय के लिए बरसात के समय पानी छोड़ा जाता रहा है। लेकिन नहर विभाग के निकम्मे रवैए के चलते काफी सरकारी धन व्यय होने व काफी कृषि योग्य भूमि किसानो से अधिगृहित किए जाने के बाद भी नहर का लाभ किसानो को नहीं मिल पा रहा है। बरसात के पहले या बाद में गंगा में जल स्तर कम होने की बात कह कर पानी रोक दिया जाता है। यदि नहर की शाखाओं में काम चल रहा है तो उनमें पानी न छोड़कर मैन नहर में अविलंब कम से कम चार फिट पानी अवश्य प्रवाहित किये जाने की मांग की गई जिससे भूमि गत जल स्तर में वृद्धि होकर सूखे में आ चुके हैंड पंप व सिंचाई बोरिंग पुनः अधिक पानी देने लगें जिससे बिजली विभाग द्वारा कम बिजली आपूर्ति के चलते फसलों पर पड़ने वाले गलत प्रभाव पर अंकुश लगाया जा सके। इस अवसर पर डा रुमाल सिंह सैनी नामित सदस्य पशु कल्याण मंत्रालय उत्तर प्रदेश सरकार , शिव नरेश, नरायन सिंह, मनोज चौधरी, वीर पाल, सोमपाल, धर्म सिंह, रमेश सिंह, भोजराम, गोपाल, बृजपाल, सुरेश, मुन्नू सिंह, जसराम, चोखे सिंह, अंकित सिंह, सोनू शर्मा आदि मौजूद रहे।

अंबेडकर युवक संघ हसनपुर की गई बैठक मजबूती पर दिया गया जोर

सदस्यता अभियान चलायेगा अम्बेडकर युवक संघ-रामवीर

हसनपुर/ अमरोहा (सब का सपना):- अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ हसनपुर की एक बैठक टीचर्स कालोनी में महामंत्री विनोद कुमार गौतम के आवास पर आयोजित हुई। बैठक में संगठन की मजबूती पर बल दिया गया और संगठन में अधिक से अधिक नये सदस्य बनाने का निर्णय लिया गया। अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि हम सभी कार्यकताओं को संगठन को मजबूती प्रदान करते हुए बड़े पैमाने पर शहर के लोगों को अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ की सदस्यता दिलानी है।संगठन का मुख्य उद्देश्य अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को संगठन की मुख्य धारा से जोड़ना है।घर घर जाकर लोगों को संगठन की नीतियों के बारे में जागरूक करना है। अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ हसनपुर के महामंत्री विनोद कुमार गौतम ने कहा कि बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर के संदेशों को हर घर तक पहुंचाना ही संगठन का प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि जल्द ही किन्हीं कारणों से शिक्षा की मुख्य धारा से वंचित गरीब बच्चों की मदद हेतु संगठन सूची बद्ध कर मदद का कार्य करेगा। इस अवसर पर महामंत्री विनोद कुमार गौतम, कोषाध्यक्ष करणवीर सिंह, सुरेन्द्र प्रकाश व्यास,सुरेश सिंह, अशोक सिंह, सुरेश चन्द्र,संजीव कुमार,सोम सिंह,दिनेश कुमार,डा. महेश कुमार, जसवंत सिंह आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में संचारी रोगों पर नियंत्रण हेतु अंतर्विभागीय समन्वय समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जनपद में चलाए जा रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान व जन जागरूकता कार्यक्रम में अब तक की विभिन्न गतिविधियों व कार्यों की गहनता से समीक्षा करते हुए डीएम ने मुख्य वेक्टर वार्न डिजीज सहित अन्य संचारी रोगों की स्थिति एवं बचाव व जागरूकता के लिए चलाये जा रहे अभियान एवं प्रयासों में जनपद की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए सभी सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों एवं चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिए कि अंतर्विभागीय समन्वयता बनाकर अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें। उन्होंने अमरोहा, धनौरा और बछरायूं में सभी पैरामीटर्स पर अभियान की खराब प्रगति पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिशासी अधिकारियों को टीम बनाते हुए क्षेत्रों में जाकर विजिट करने के साथ अपने सामने एक्टिविटी कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिन ग्राम पंचायतों में अभियान की खराब प्रगति है, उनके एडीओ पंचायत के वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये महत्वपूर्ण समय है, अगर इस समय सावधानी बरत ली गई तो आने वाले समय में किसी बड़ी परेशानी से बचा जा सकता है। इसलिए संचारी रोगों से बचाव के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में साफ सफाई, नालियों की सफाई, अपशिष्ट जल निकासी, फॉगिंग और एंटी लार्वा एक्टिविटी कराते रहने के निर्देश दिए। डीएम ने बताया कि संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु संचालित विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान 31 जुलाई तक चलाया जाएगा। उन्होंने संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित विभागों के अंतर्विभागीय सहयोग द्वारा संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित कराया जाए। संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए। नगरीय एवं देहाती क्षेत्रों में साफ सफाई एवं जलभराव निस्तारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लोगों की जागरूकता के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियां इस प्रकार से संचालित की जाएं कि उनमें संचारी रोग नियंत्रण के प्रति समझ विकसित हो सके। सभी विभाग सौंपी गई जिम्मेदारियों का भली प्रकार से निर्वहन करें। यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही हुई तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 एके भंडारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त, पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया सहित समस्त सीएचसी एवं पीएचसी से चिकित्सक मौजूद रहे।

आस्था के आगे हारी दिव्यांगता, 271 किमी का सफर तय करके शिवजी का जलाभिषेक करेंगे दिव्यांग गंगासरन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- श्रावण मास चल रहा है जिसके आने का महादेव के भक्त बड़ी बेसब्री से इंतजार करते हैं और श्रावण शुरू होते ही शिव भक्त महादेव के जलाभिषेक हेतु तीर्थ नगरी जल लेने के लिए हरिद्वार,गौमुख, ऋषिकेश और बृजघाट आदि स्थानों पर पहुंच जाते हैं। श्रावण के माह में हर एक शिव भक्त महादेव की भक्ति में चूर होता है। वह ये नहीं देखता कि वह शारीरिक रूप से महादेव की भक्ति के लायक है या नहीं क्योंकि महादेव तो भोले हैं जिस पर कृपा महादेव करें उसका तो शरीर भी निरोगी हो जाता है।जिसका जीता जागता उदाहरण श्रावण मास की इस यात्रा के दौरान बृजघाट से जल भरकर ले जा रहे गजरौला के नेशनल हाईवे 9 पर देखनें को मिला। जहां एक दिव्यांग कांवड़िया गंगासरन निवासी गांव दौलतपुर जिला बुलंदशहर, महादेव की भक्ति में इतना चूर हो गया की उसने अपने शरीर की दिव्यांगता को एक तरफ रख दिया और अपनी ट्राई साईकिल लेकर निकल पड़ा महादेव के लिए हरिद्वार और बृजघाट से जल लेने के लिए। हरिद्वार से जल भरकर दिव्यांग गंगासरन बृजघाट तीर्थ नगरी पहुंचा जहां से उसने जल भरा और अपने गंतव्य की ओर बढ़ ही रहा था कि अचानक गांव मोहम्मदाबाद के सामने उसकी ट्राई साईकिल में पंचर हो गया।जिसे हाईवे पर कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था में खड़े पुलिस कर्मियों ने सही कराया।इस बारे में जब गंगासरन कांवड़िये से बात की गई तो उसने बताया कि उसने ट्राई साईकिल से ही 271 किलोमीटर की यात्रा तय करनी है महादेव की कृपा उस बनी हुई और आगे भी बनी रहेगी।उसने कहा कि यात्रा के दौरान प्रशासन की व्यवस्था बहुत ही अच्छी है।

जिला मुख्यालय एवं तहसीलों में कंट्रोल रूम, जिला इमरजेन्सी ऑरेशन सेन्टर की स्थापना किये जाने के निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी/अपर जिला मजिस्ट्रेट अमरोहा ने जानकारी देते हुए कहा कि बाढ/अतिवृष्टि से निपटने तथा बचाव एवं राहत कार्यों के प्रवन्धन हेतु जिला मुख्यालय एवं तहसीलों में कंट्रोल रूम, जिला इमरजेन्सी ऑरेशन सेन्टर की स्थापना किये जाने के निर्देश प्राप्त है जिसका संचालन 247 पर किया जायेगा। साथ ही आमजन को विकास खण्ड, तहसील अथवा जनपद मुख्यालय तक न आना पड़े उनकी सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिला इमरजेन्सी ऑपरेशन सेन्टर के साथ शिकायत प्रकोष्ठ के रूप में भी संचालन 247 पर किया जायेगा। शिकायत प्रकोष्ठ (जिला इमरजेन्सी ऑपरेशत सेन्टर) का दूरभाष संख्या-05922-252100 है जिस पर आमजन अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इस हेतु शिकायत प्रकोष्ठ (जिला इमरजेन्सी ऑपरेशत सेन्टर) पर शिफ्टवार टीम प्रभारी / कर्मयारियों की तैनाती अग्रिम आदेशों तक की गई है। रणजीत सिह कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी, विकास खण्ड-जोया, मुकुल कुमार, कनिष्ठ सहायक, पा०स० लो०नि०वि०, अमरोहा, सतीश कुमार, स०क०, पंचायत राज विभाग अमरोहा टीम प्रभारी विनोद कुमार, वरिष्ठ सहायक, अधि०७ भि० निमार्ण खण्ड, लो०नि०वि० अमरोहा। गो००-9639887461 उक्त टीम प्रातः 6:00 बजे से अपराह्न 2:00 तक, गौतम कुमार, कनिष्ठ सहायक, कार्यालय जिला रक्षा अधिकारी, अमरोहा,- राजीव यादव, कार्यालय सहायक, जिला वेसिक शिक्षा अधिकारी, अमरोहा, अशरफ, स०क०, पंचायत राज विभाग अमरोहा, टीम प्रभारीश्री धर्मेन्द्र कुमार प्रधान सहायक, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, अमरोहा। मो०न० 8218334503 है जो अपरान्ह 02:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक और दीपू कुमार, कनिष्ठ सहायक प्रा०ख० लो०नि०वि०. अमरोहा, महेन्द्रराम कनिष्ठ सहायक मध्य गंगानहर खण्ड-4, अमरोहा, मनजीत कुमार कनिष्ठ सहायक खण्ड-ग्रामीण-2 दाउद सराय, अमरोहा, उपखण्ड अधिकारी विद्युत वितरण , टीम प्रभारी अहसान अली प्रारूपकार मध्य गंगागहर निमार्ण खण्ड-3 अमरोहा है जो रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 06:00 बजे तक कार्यरत रहेंगे। शैलेश कुमार दुबे, डिप्टी कलेक्टर/ प्रभारी अधिकारी (दै०आ०), अमरोहा को शिकायत प्रकोष्ठ (जिला इमरजेन्सी ऑपरेशत सेन्टर) का प्रभारी अधिकारी नामित किया जाता हैं। जिला इमरजेन्सी ऑपरेशन सेन्टर (शिकायत प्रकोष्ठ) पर शिफ्टवार तैनाती टीम प्रभारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के माध्यम से दूरभाष पर प्राप्त होने वाली शिकायतों को शिकायत पंजिका में दर्ज करायेगें एवं सम्बंधित विभागाध्यक्ष / अधिकारी को निस्तारण हेतु दूरभाष/मोबाईल फोन के माध्यम से अवगत करायेगें तथा निस्तारण आख्या लिखित रूप में प्राप्त कर गुणवत्तापरक निस्ताणर की दैनिक समीक्षा करते हुऐ प्रभारी अधिकारी (शिकायत प्रकोष्ठ) को अवलोकन हेतु प्रस्तुत करेगें। निस्तारण संतोषजनक होने पर सम्बन्धित शिकायतकर्ता को दूरभाष के माध्यम से अवगत करायेगें। श्री दुबे शिकायत प्रकोष्ठ (जिला इमरजेन्सी ऑपरेशन सेन्टर) पर प्राप्त होने वाली शिकायतों एवं निस्तारण से अधोहस्ताक्षरी को समय-समय पर अवगत कराना सुनिश्चित करेगें। कंट्रोल रूम में तैनात सभी कर्मचारी/अधिकारी अपनी शिफ्ट में उपस्थित रहेगें तथा जब तक अगली शिफ्ट के कर्मचारी/अधिकारी उपस्थित नही होते तब तक प्रथम शिफ्ट के कर्मचारी/अधिकारी अपनी शिफ्ट नहीं छोड़ेगें। कंट्रोल रूम में तैनात सभी कर्मचारी/अधिकारी की प्रतिदिन उपस्थिति अनिवार्य है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा कंट्रोल रूम में कभी भी किसी भी शिफ्ट का निरीक्षण किया जा सकता है। जो कर्मचारी/अधिकारी शिफ्ट में अनुपस्थित रहेगे उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

गजरौला हाईवे पर दर्दनाक हादसा,बाईक सवार दो कांवड़ियों की मौत एक गंभीर रूप से घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नेशनल हाईवे 9 पर रविवार की देर रात सड़क हादसा हो गया जिसमें बाइक सवार दो कांवड़ियों की मौत हो गई और उन्हीं का बाइक सवार तीसरा साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है तीनों बाईक सवार कांवड़िये डाक कावड़ लेने बृजघाट जा रहे थे,बाईक की गति काफी तेज थी अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई और सामने जा रही ट्रैक्टर ट्राली से जा टकराई जिसमें बाइक सवार दोनों कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई और एक बाइक सवार उनका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। बता दें कि ये हादसा नगर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे स्थित मोगा ढाबे के सामने पल पर हुआ। डाक कावड़ लेने बृजघाट जा रहे थे तीनों कांवड़िए,बाईक की गति थी तेज जानकारी देते हुए वहां मौजूद प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि यह तीनों कावड़िया एक ही बाइक पर सवार थे और बाइक की गति काफी तेज थी, अचानक बाइक का नियंत्रण खो गया और बाइक अनियंत्रित होकर सामने जा रही ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गई। संभल जिले के रहने वाले थे तीनों कांवड़िए इसके अलावा प्राप्त जानकारी के अनुसार बाइक सवार तीनों कांवड़िए नितिन पुत्र अज्ञात अनुज पुत्र राजेन्द्र सिंह व अनिकेत पुत्र महेश जिला संभल के फतेहुल्लागंज, थाना गढ़ी के निवासी थे। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई आनन-फानन में तीनों को गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने नितिन और अनुज को अमृत घोषित कर दिया और तीसरे कावड़िया अनिकेत को उसकी हालत गंभीर होते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं पुलिस ने दोनों मृतकों की शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले में जांच शुरू कर दी है

झकडी में सोमवार से महाशिवपुराण कथा का किया गया शुभारंभ

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के ग्राम शेखुपुर झकड़ी में बाबा लालचंद महाराज द्वारा स्थापित स्वामी रामप्रसाद उदासीन समाधि ट्रस्ट के महंत द्वारा ट्रस्ट परिसर में महाशिवपुराण का वाचन शुरू। पवित्र श्रावण मास के दूसरे सोमवार से ट्रस्ट परिसर में महाशिवपुराण कथा का शुभारंभ किया गया। महा शिवपुराण कथा का दैनिक वाचन अर्थात कथा के व्यास का कार्य स्वयं आश्रम के महंत स्वामी राजेंद्र मुनि महाराज जी द्वारा किया जाएगा। कथा प्रारंभ करते हुए महाराज जी ने कहा कि पवित्र श्रावण मास में महाशिव पुराण कथा के सुनने का बहुत्व महत्व होता है। इसी दृष्टि से यह पुनीत कार्य किया जा रहा है। सभी श्रद्धालु निर्धारित समय 2 बजे तक स्नान आदि से निवृत होकर परिवार के साथ कथा वाचन स्थल पर उपस्थित होकर एकाग्र चित्त से कथा श्रवण करें और पुण्यलाभ अर्जित करें।महाशिवपुराण कथा में भगवान शिव की जीवन लीलाओं का वर्णन किया गया है। इस अवसर पर स्वामी प्रवेश मुनि, यश वशिष्ठ, सचिन शर्मा इस्लाम नगर, श्याम मुनि, राम मुनि, सर्वेश ठाकुर, सत्यवीर सिंह, लवकुश, रघुवीर सिंह, राजेंद्र सिंह, राकेश सिंह, विजयपाल सिंह, राजू सिंह, शुभ महंत, प्रतीक आदि मौजूद रहे।

अंतर राज्य वाहन चोर गैंग का पुलिस ने किया खुलासा तीन गिरफ्तार

चोरी की हुई 16 मोटर साईकिल (अनुमानित कीमत लगभग 8 लाख रुपयें) बरामद

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस द्वारा वाहन चोरी करने वाले अन्तर्राज्यीय गैंग का खुलासा कर 03 शातिर अभियुक्त/वाहन चोर गिरफ्तार किये गये जिनके कब्जे से दिल्ली, बिजनौर, अमरोहा आदि विभिन्न स्थानों से चोरी की हुई 16 मोटर साईकिल (अनुमानित कीमत लगभग 8 लाख रुपयें) बरामद हुई। थाना मंडी धनौरा पुलिस द्वार रविवार की रात्रि चैकिंग के दौरान नहर किनारे स्थित ग्राम गादीखेडा की मढैय्या के शमशान घाट के अन्दर से 03 अभियुक्त 1. रोहित पुत्र ब्रह्म सिंह 2. प्रिंस पुत्र सूरज सिंह व 3. अंकुल पुत्र राजपाल सिंह निवासीगण ग्राम मोहनपुर थाना बछरायूं जनपद अमरोहा को गिरफ्तार किया गया जिनका एक अन्य साथी अंधेरे का लाभ लेकर फरार हो गया । गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से चोरी किये हुए 16 वाहन (मोटर साईकिल) बरामद हुई। गिरफ्तार अभियुक्तगण शातिर किस्म के वाहन चोर अपराधी है जोकि आर्थिक लाभ हेतु अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर दिल्ली, बिजनौर, अमरोहा आदि जगहों से दो पहिया वाहन मोटर साईकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम देते है तथा चोरी की हुई मोटरसाईकिलों को ग्राहको को धोखा देकर अच्छे दामो में बेचकर आर्थिक लाभ कमाते है। रोहित पुत्र ब्रह्म सिंह निवासी ग्राम मोहनपुर थाना बछरायूं जनपद अमरोहा, प्रिंस पुत्र सूरज सिंह निवासी ग्राम मोहनपुर थाना बछरायूं जनपद अमरोहा, अंकुल पुत्र राजपाल सिंह निवासी ग्राम मोहनपुर थाना बछरायूं जनपद अमरोहा, ऋषिपाल पुत्र नन्हे निवासी ग्राम मोहनपुर थाना बछरायूं जनपद अमरोहा । पूछताछ में बताया गया कि गिरफ्तार अभियुक्तगण शातिर किस्म के नई उम्र के वाहन चोर अपराधी है जोकि कस्बा धनौरा, बछरायूं, गजरौला, अमरोहा, बिजनौर व दिल्ली आदि क्षेत्रों से अलग अलग स्थानों से मो0सा0 चोरी करके नम्बर प्लेट खोलकर रास्ते में फैक देते है और मो0सा0 को इस सूनसान जगह में छिपा देते थे क्योकि यह शमशान घाट नया बना है, यहां पर अभी तक कोई मुर्दा जलाया नही गया है, इसलिये यहां पर कोई व्यक्ति आता जाता नही है । 1. जली हुई मो0सा0 अभियुक्तगण द्वारा करीब 01 माह पूर्व ग्राम कमालपुर काजी थाना बछरायूं में लगने वाले उर्ष के मेले से चोरी की थी पैट्रोल लीक होने के कारण इसमें आग लग गयी थी जिससे पहिये आदि सब जल गये थे जिसके सम्बन्ध में थाना बछरायूं पर मु0अ0सं0 216/25 धारा 303(2) बनाम अज्ञात पंजीकृत है । 2. बरामद मो0सा0 स्पलेंर प्लस रजि0नं0 UP23AP7443 के सम्बन्ध में थाना मंडी धनौरा पर मु0अ0सं0 315/2025 धारा 303(2) बीएनएस बनाम अज्ञात एवं 3. बरामदा मो0सा0 स्प्लेंडर प्लस रजि0नं0 UP23AF7139 के सम्बन्ध में थाना मंडी धनौरा पर मु0अ0सं0 316/2025 धारा 303(2) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत तथा 4. बरामद मो0सा0 टी0वी0एस अपाचे रजि0नं0 वढ21उछ7787 के सम्बन्ध में थाना मंडी धनौरा पर मु0अ0सं0 317/2025 धारा 303(2) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत है । 5. बरामद हुई मो0सा0 एच0एफ0 डिलेक्स रजि0नं0 वढ16उछ3225 के सम्बन्ध में थाना गजरौला पर मु0अ0सं0 370/25 धारा 303(2) बनाम अज्ञात तथा 6. बरामद हुई मो0सा0 स्प्लेंडर रंग काला लाल (नम्बर प्लेट नही) रजि0न0 UP23AF 8650 के सम्बन्ध में थाना अमरोहा नगर पर मु0अ0सं0 110/25 धारा 303 (2) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा थाना मंडी धनौरा क्षेत्र से 03 मोटर साईकिल, थाना अमरोहा नगर क्षेत्र से 01 मोटर साईकिल, थाना बछरायूं क्षेत्र से 01 मोटर साईकिल व थाना गजरौला क्षेत्र से 01 मोटर साईकिल चोरी करने की घटना का इकबाल किया है

जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा बैठक की गई

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 जुलाई से प्रारम्भ हो चुका है तथा 31 जुलाई तक चलेगा एवं दस्तक अभियान 11 जुलाई से प्रारंभ हो चुका है 31 जुलाई तक चलाया जाएगा। यूनीसेफ से डॉ प्रवीन द्वारा विकासखण्ड जुनावई, गुन्नौर के ग्रामों में साफ सफाई न कराने के विषय में जिलाधिकारी को अवगत कराया जिसको लेकर संबंधित ग्राम पंचायत सचिव को प्रतिकूल प्रविष्टि तथा एडीओ पंचायत को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। पंचायती राज विभाग की प्रगति खराबी पायी गयी जिसको लेकर जिलाधिकारी ने जिला पंचायती राज अधिकारी को स्पष्टीकरण जारी करने को निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा की संचारी रोग अभियान का जिला स्तरीय कंट्रोल रूम बनाया जाए। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम के माध्यम से जानकारी प्राप्त करें और जो संबंधित विभाग माइक्रो प्लान के अनुसार अपना कार्य नहीं कर रहा है उसके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि संचारी रोग अभियान की प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक दिन प्राप्त कर उसका अवलोकन किया जाए अगर किसी विभाग के द्वारा प्रतिदिन की प्रगति में बढ़ोतरी नहीं होती है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पंकज विश्नोई तथा मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ शैलेन्द्र सिंह, जिला पंचायती राज अधिकारी उपेंद्र कुमार पाण्डेय,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार,चिकित्सा अधीक्षक डॉ मनोज एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्री वार्ष्णेय सभा संभल करेगी वार्ष्णेय समाज के मेधावियों का सम्मान

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- श्री वार्ष्णेय सभा संभल (रजि.)की आम सभा का आयोजन समूह प्रबंधक सोनू कुमार गुप्ता के निवास पर किया गया जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि श्री वार्ष्णेय सभा संभल समूह द्वारा तीसरा वार्ष्णेय मेधावी छात्र छात्रा सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 9 नवंबर 2025 दिन रविवार को दोपहर 11 बजे से बी. डी.इंटर कॉलेज सरायतरीन जिला संभल में किया जायेगा जिसमें संभल वार्ष्णेय समाज के उन सभी छात्र/छात्राओं को जिन्होंने हाईस्कूल/इण्टरमीडिएट परीक्षा 80% या उससे अधिक एवं स्नातक/ परास्नातक परीक्षा प्रथम श्रेणी में/ व्यवसायिक परीक्षा जैसे CA, CS, MBA, MCA, LLB, MBBS आदि परीक्षा वर्ष 2025 में उत्तीर्ण की है, सम्मानित करेगा। प्रतिभागी अपनी अंक तालिका एक पासपोर्ट साइज फोटो के साथ देवेंद्र वार्ष्णेय एडवोकेट सरायतरीन स्थित कार्यालय पर जमा कर दें। सभा की अध्यक्षता जगत आर्य एवं संचालन सोनू कर गुप्ता एडवोकेट ने किया। सभा में समूह संरक्षक महावीर प्रसाद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष त्रिभुवन सर्राफ, सुमित श्याम, विपिन सर्राफ, नवरत्न सर्राफ, मनीष सर्राफ, विष्णु आर्य, अनुज आर्य, लव कुमार आर्य, पुनीत कुमार सर्राफ, नितिन प्रकाश, गिरिराज वार्ष्णेय, कौशल वार्ष्णेय, शरद वार्ष्णेय, दीपेश वार्ष्णेय, अतुल वार्ष्णेय, दीपक सर्राफ आदि सदस्य उपस्थित रहे। सभा मे सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्ष्णेय समाज के एक सबसे वरिष्ठ नागरिक को वार्ष्णेय वार्ष्णेय रत्न से सम्मानित किया जाएगा।

ज्ञान प्रकाश फाउंडेशन की दूसरी चलती-फिरती रसोई का हुआ शुभारंभ

विकास भवन के गेट पर फीता काटकर किया गया शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- सेवा परमो धर्म की भावना को साकार करते हुए ज्ञान प्रकाश फाउंडेशन द्वारा संचालित दूसरी चलती-फिरती रसोई का शुभारंभ विकास भवन गेट पर मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी मिश्र, तहसीलदार नौगावां लकी सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी पारूल सिसौदिया, जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुरी जैन, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी शिखा शर्मा एवं पूर्व जज सरजीत सिंह ने सामूहिक रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान सीडीओ अश्विनी मिश्र ने कहा ज्ञान प्रकाश फाउंडेशन द्वारा मात्र दस रुपये में स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना एक अनुकरणीय कदम है। यह पहल न केवल समाज के जरूरतमंद वर्ग को राहत देती है बल्कि सामाजिक समरसता की मिसाल भी पेश करती है। तहसीलदार लकी सिंह ने कहा इस तरह की रसोई सिर्फ भूख मिटाने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्म-सम्मान के साथ जीविका का आधार है। फाउंडेशन का यह कार्य समाज में नई संवेदनशीलता जगाने वाला है। डीपीआरओ पारूल सिसौदिया ने कहा भोजन मानव की मूल आवश्यकता है। ज्ञान प्रकाश फाउंडेशन द्वारा चलती-फिरती रसोई के माध्यम से जो सेवा दी जा रही है वह सराहनीय योग्य है। जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुरी जैन ने इसे सच्ची सामाजिक सहभागिता का उदाहरणह्व बताया और कहा यह पहल समाज के हर उस व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास है जो अपनी भूख को लेकर समझौता करने को मजबूर है। पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी शिखा शर्मा ने कहा यह रसोई न केवल जरूरतमंदों की भूख मिटा रही है बल्कि समाज के प्रति हमारी जवाबदेही का एहसास भी करा रही है। पूर्व न्यायाधीश सरजीत सिंह ने कहा समाज की बुनियाद तभी मजबूत होती है जब उसमें सेवा और करुणा के तत्व हों। फाउंडेशन का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। अध्यक्ष राहुल कुमार ने कहा कि फाउंडेशन की पहली रसोई अमरोहा मंडी समिति में सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। अब विकास भवन पर दूसरी शुरूआत से अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों को गर्म और पौष्टिक भोजन सिर्फ दस रुपये में उपलब्ध हो सकेगा। इस दौरान सुभासपा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर, सितिन चौहान, अधिवक्ता तारीक अजीम, इफ्तेकार एडवोकेट, अजब सिंह, मनु शर्मा एडवोकेट, विनोद मौर्य, चन्द्रगुप्त मौर्य,मोनू यादव, देशराज मर्दान, पदम सिंह, मनोज व्यास, सुभाष चंद्र, राजेश कुमार, रोहताश वर्मा एडवोकेट, शाहरूख खान एडवोकेट, चंद्रगुप्त मौर्य एडवोकेट अजीम एडवोकेट दिलबहार एडवोकेट, शंकर सिंह एडवोकेट, प्रवीण कुमार, नईम अहमद, महेश सागर, शाहनवाज सैफी, शुऐब चौधरी, पदम सिंह, महेश सागर, शाहनवाज साबरी, प्रेमपाल सिंह, प्यारेलाल, शिव कुमार, देशराज सिंह, जफर अहमद, विशाल, अशोक कुमार, अंकित कुमार, अंकित सागर, जॉनी कुमार वीरेंद्र सिंह, सुनील कुमार, आशीष सागर, इंडियन कुमार, आदिल, सुरेन्द्र कुमार, अंकित कुमार, अरिहंत व्यास, हनी, जानी कुमार आदि मौजूद रहे।

यूपी में अब ये नई आफत, ड्रोन के नाम से जन्मे चोरी के खौफ में पिट रहे बेकसूर, इस दहशत ने उड़ाई लोगों की नींद

अमरोहा: ड्रोन की चचाओं से अब मुरादाबाद भी अछूता नहीं रहा है। पुलिस अफवाहों की दुहाई देकर भी लोगों की बेचैनी को थाम नहीं पा रही। ड्रोन के हवाले से चोरों की सक्रियता बताने वालों ने शक में लोगों को पीटना भी शुरू कर दिया है। महानगर से सटे मूंढापांडे में चोर समझकर एक चालक पर हमला कर दिया गया, जबकि पाकबड़ा में भी एक शख्स इस तरह की गफलत में पीट दिया गया।मूंढापांडे थाना क्षेत्र के गांवों में रात के समय आसमान में कोई चमकीली चीज दिखते ही लोग शोर मचाने लगते हैं। हीरापुर के मुरादाबाद गन्ना समिति के अध्यक्ष दुर्गपालसिंह ने बताया कि शनिवार की रात उन्होंने आसमान में दो ड्रोन उड़ते देखे। कुछ मिनट बाद गायब हो गए। मूंढापांडे पुलिस ने बताया कि चोर-चोर का शोर मचाकर लोगों ने पिकअप चालक अब्बास को घेरकर पीटना शुरू कर दिया। इस हमले में वह घायल हो गया। पुलिस ने इस मामले के आरोपी ललित, सुरजीत, राजपाल, मोहम्मद नसरुद्दीन को शांति भंग की आशंका में गिरफ्तार कर लिया।पाकबड़ा थाना क्षेत्र में भी ड्रोन और चोर के खौफ से घिरे लोगों ने शनिवार देर रात एक शख्स को घेर लिया। ईदगाह मोहल्ले में घेरे गए इस शख्स की भीड़ ने जमकर धुनाई की। बात में स्पष्ट हुआ कि वह व्यक्ति नशे में था। थानेदार विनोद कुमार ने बताया कि भीड़ में घिरकर मारपीट का शिकार हुआ शख्स पुलिस के पहुंचने से पहले खुद को छुड़ाकर भागने में कामयाब हो गया। इस घटना के अलावा पाकबड़ा क्षेत्र के कुछ गांवों में लोग पूरी रात जागकर आसमान तकते रहते हैं। लाठी-डंडे हाथ में लेकर पहरेदारी कर रहे हैं। इसके अलावा शहर के लाइनपार क्षेत्र, ढक्का, कुंदनपुर समेत कई क्षेत्रों में ड्रोन की चचाओं के बीच दहशत बनी रही। एक दिन पहले शनिवार को एकता कॉलोनी, शाहपुर में भी ड्रोन नजर आने के दावे के साथ वीडियो एक-दूसरे को भेजे गए। कटघर के भैंसिया, सिविल लाइंस के काजीपुरा में भी इसी तरह की चचाएं रहीं। बागड़पुर में पुलिस ने ली तलाशी, कुछ हाथ नहीं आया पाकबड़ा क्षेत्र के बागड़पुर की मड़य्यो गांव में शनिवार की देर रात कुछ संदिग्ध लोग नजर आने की चर्चा तेजी से फैली, एसओ विनोद कुमार ने बताया कि टीम के साथ मौके पर पहुंचे। काफी देर तलाशी ली, टॉर्च से खेतों में भी देखा लेकिन कुछ हाथ नहीं आया। अफवाह बताने तक सीमित पुलिस की भूमिका ड्रोन के शोर और इसकी आड़ में चोरों की चर्चा को कई दिन गुजर चुके हैं। गांवों में लोग रात-भर जागकर पहरेदारी कर रहे हैं। पुलिस पहले दिन से इस तरह की बातों को अफवाह बताकर लोगों को समझाने में लगी है लेकिन न तो पुलिस किसी को समझा सकी है और न ही ऐसी चचाएं रोक सकी है। एलआईयू टीम भी इस मामले की सच्चाई का इनपुट नहीं जुटा सकी है। सवाल यह भी उठ रहा है कि अगर ये सब अफवाह हैं तो इन्हें हवा देने वाले पकड़ में क्यों नहीं आ रहे हैं। गांवों के साथ अब कांठ में भी ड्रोन दिखने का शोर कांठ ग्रामीण इलाकों के साथ ही अब कांठ में भी ड्रोन दिखाई देने का शोर है। ड्रोन की अनसुलझी गुत्थी को लेकर क्षेत्र के लोग परेशान हैं। पूरी-पूरी रात लोग जागकर काट रहे हैं। पिछले करीब दस दिन से कांठ और छजलैट के गांवों में ड्रोन दिखाई देने का शोर मच रहा है। आसमान में रंग-बिरंगी कोई चीज उड़ते हुए भी सोशल मीडिया पर वीडियो तेजी से वायरल हो रही हैं। शनिवार की रात समंदपुर, अकबरपुर सिहाली, कूरी रवाना, भीकनपुर, मुख्त्यारपुर नवादा, बीबीपुर, सराय खजूर आदि गांवों में ड्रोन दिखाई देने का शोर मचा। वहीं कांठ नगर के मोहल्ला पट्टीवाला, फकीरगंज, घोसीपुरा में भी लोगों ने ड्रोन उड़ते दिखाई देने का दावा किया है। कांठ और छजलैट पुलिस ड्रोन की अफवाहों को देखते हुए लोगों को जागरूक कर रही है। ड्रोन दिखने और चोरों की दहशत ने उड़ाई नींद डिलारी में ड्रोन दिखने और चोरों की दहशत ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। ग्रामीण रात भर हाथों में डंडे लेकर झुंड के रूप में गश्त करते दिखाई दे रहे है। रात भर अपने अपने घरों की सुरक्षा कर रहे हैं। रात भर इधर से आया ड्रोन उधर से आया ड्रोन यह सुन कर उसी दिशा में झुंड के रूप में दौड़ पड़ते हैं। कुछ नहीं दिखाई देने पर ग्रामीण निराश होकर अपने स्थान पर पहुंच कर बतियाने लगते हैं। थाना प्रभरी निरीक्षक मनोज कुमार ने ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। देहात से नगर तक ड्रोन का शोर ठाकुरद्वारा शनिवार की रात क्षेत्र के लगभग सभी गांव और नगर क्षेत्र में आसमान में ड्रोन उड़ने की चर्चा सोशल मीडिया पर वायरल होती रही। लोग निगरानी के लिए रात भर जागते रहे।

श्रावण मास के दूसरे सोमवार को राकेश्वर शिवालय में लगी शिव भक्तों की कतारें

चाकेश्वर मंदिर में जलाभिषेक के लिए शिवभक्तों ने घंटों किया इंतजार

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- श्रावण का पवित्र माह चल रहा है। इन दिनों प्रत्येक शिव भक्त महादेव की भक्ति में लीन रहता है।महादेव के जलभिषेक के लिए शिव भक्त हरिद्वार, ऋषिकेश ,गोमुख एवं ब्रजघाट आदि तीर्थ स्थान से जल भरकर पैदल यात्रा करके शिवालियों में भगवान शिव का जल अभिषेक करते हैं। कल सोमवार का दिन श्रावण मास का दूसरा सोमवार था, इससे पहले भी इस माह के प्रथम सोमवार को शिवालियों में शिव भक्तों की भीड़ देखी गई थी। आपको बता दें कि श्रावण मास के दौरान सप्ताह के 7 दिनों में सोमवार के दिन को महादेव के लिए पवित्र दिन माना जाता है।7 दिनों में से 6 दोनों को छोड़कर सोमवार के दिन ही शिवालियों में भक्तों की भीड़ अधिक देखने को मिलती है। इसलिए श्रावण मास के पहले, दूसरे ,तीसरे और अंतिम सोमवार को शिवालियों में शिव भक्तों की भीड़ का तांता सा लग जाता है। इसी क्रम में गजरौला नगर क्षेत्र स्थित चकेश्वर झारखंडी महादेव मंदिर में श्रावण मास के दूसरे सोमवार को भक्तों की भीड़ का तांता लगता दिखाई दिया। इस दौरान शिवालय में भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए शिव भक्तों को लंबी कतार में घंटे खड़े होकर इंतजार करना पड़ा और आने वाले तीसरे और चौथे सोमवार को इस मंदिर में इससे भी ज्यादा शिव भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलेंगी।

शिव भक्तों के लिए कावड़ सेवा शिविर का विधायक ने काटा फीता

पिलखुवा/हापुड़ (सब का सपना):- हरिद्वार और बृजघाट से पवित्र जल लेकर शिव भक्त अपने-अपने गंतव्य के लिए जा रहे हैं। शिव भक्तों की सेवा के लिए अनेको सामाजिक संगठन अपने-अपने स्तर पर अनेकों जगह शिविर लगाकरशिव भक्तों के लिए प्रसाद और आराम की व्यवस्था करने के लिए शिविर लगाते हैं। इसी क्रम में कुछ सामाजिक संगठनों ने मिलकर हाईवे स्थित सेवा के लिए शिविर लगाया। जिसका विधायक धर्मेश तोमर ने पूजा अर्चना कर फीता काटा। इस अवसर पर अजय रोहिल्ला, रामकुमार, सुरेश चंद्र, नरेंद्र रोहिल्ला, रामकुमार रोहिल्ला, प्रशांत, मनोज राणा, सुभाष चंद्र रोहिल्ला, प्रदीप टोंक आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने की व्यापारी बंधुओं के साथ बैठक

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई की अध्यक्षता में उद्योग बंधु एवं व्यापार बंधु की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अंतर्गत उपायुक्त उद्योग के द्वारा विभिन्न एजेण्डा बिंदुओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जनपद में एमएसएमई के अंतर्गत लक्ष्य के सापेक्ष आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिसको लेकर जिलाधिकारी ने आवश्यक कार्रवाई करने की निर्देश दिए। हिंदुस्तान मिंट के द्वारा जल भराव की समस्या के विषय में अवगत कराया गया इसको लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पीएम विश्वकर्मा योजना को लेकर संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना का ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार किया जाए। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिला अग्रणीय प्रबंधक केनरा बैंक को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के ऋण स्वीकृत किए गए हैं उनका यथाशीघ्र वितरण किया जाए। जिलाधिकारी ने उद्योग विभाग एवं जिला अग्रणीय प्रबंधक को निर्देशित करते हुए कहा कि जो आवेदन अभी तक बैंकों के द्वारा स्वीकृत नहीं किए गए हैं या कोई कार्रवाई नहीं की गई है उसको गहनता से देखें और उन आवेदनों को छाटें किस बैंक का है जिसको लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि बैठक में संबंधित बैंक प्रबंधक को बुलाया जाए जिससे आवेदन का निस्तारण किया जा सके। यातायात क्षेत्राधिकारी ने बताया कि तहसील वार ई रिक्शा चलाने को लेकर एक योजना बनाई गई है अगर कोई ई- रिक्शा नगर पालिका के बाहर जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई संज्ञान में लाई जाएगी। अतिक्रमण को लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्लेज पार्क को लेकर भी चर्चा की गई जिलाधिकारी ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उद्योग केंद्र के भवन के निर्माण कार्य पूर्ण होने के विषय में जिलाधिकारी को अवगत कराया जिसको लेकर जिलाधिकारी ने कहा की भवन के अंदर जनपद संभल की कलाकृतियां दशार्यी जाएं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनपद में एक वन स्टॉप बनाया जाए जिसमें जनपद की कलाकृतियों का प्रदर्शन हो जिससे बाहर से कोई भी अतिथि आए और जनपद की कलाकृतियों को देखें तो बने स्टॉप का भ्रमण करें।विकासखंड बहजोई की ग्राम घासीपुर में बनाई जा रही आदर्श गौशाला के विषय में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने जानकारी दी और उन्होंने व्यापार बंधु एवं उद्योग बंधुओ से कहा कि गौशाला बनाने में अपना सहयोग करें जिससे प्रदेश की सबसे आदर्श गौशाला बन सके। जिला पंचायती राज अधिकारी द्वारा मातृत्व भूमि बंधन योजना के विषय में जानकारी दी जिस पर जिलाधिकारी ने व्यापार बंधु एवं उद्योग बंधु के लोगों से विस्तार पूर्वक चर्चा की। और उन्होंने कहा कि इन दोनों बिंदुओं को व्यापार बंधु एवं उद्योग बंधु की बैठक के ऐजेंडे में सम्मिलित किया जाए। बैठक के अन्तर्गत उपायुक्त राज्य कर द्वारा बैठक के एजेंडा बिन्दुओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिसमें संबंधित से किस बिन्दु पर क्या कार्यवाही हुयी उसको लेकर जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। व्यापार बंधुओ ने चंदौसी नगर पालिका में वेंडिंग जोन की समस्या को लेकर जिलाधिकारी को अवगत कराया जिसको लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उप जिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकार नगर पालिका अधिशासी अधिकारी चंदौसी संयुक्त रूप से वेंडिंग जोन के लिए भूमि को चिन्हित करें जिससे वेंडिंग जोन की समस्या का निस्तारण किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी बैठक तक समस्या का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। नालों की तली झाड सफाई के बिन्दु पर भी चर्चा की गयी जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं नगर पंचायत द्वारा नालों की तली झाड सफाई सुनिश्चित की जाए व्यापार बंधुओं के लोगों ने रोडवेज स्टेशन के विषय में जिलाधिकारी को अवगत कराया उन्होंने कहा कि व्यापार बंधुओ के द्वारा जो भी समस्या उठाई गई है उसकी प्राथमिकता के आधार पर संज्ञान लिया जाये। जिलाधिकारी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए स्कूल बसों की फिटनेस को लेकर भी जिलाधिकारी ने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर बसों की फिटनेस चेक की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, डिप्टी कलेक्टर अखिलेश कुमार, यातायात क्षेत्राधिकारी, उपायुक्त उद्योग शैलेन्द्र सिंह, जिला पंचायतीराज अधिकारी उपेंद्र कुमार पांडेय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी शैलेंद्र कुमार,कमल कौशल वार्ष्णेय,ताहिर सलामी, एवं अरविंद गुप्ता, संबंधित अधिकारी तथा उद्योग बंधु व्यापार बंधु के सदस्य उपस्थित रहे।

राज्य मंत्री ने फीता काट कर किसान गोष्ठी का किया शुभारंभ

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- कृषि विभाग द्वारा सब मिशन आन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फार इन सीटू व कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान जायस में जनपद स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कृषक गोष्ठी का शुभारंभ राज्य मंत्री संसदीय कार्य चिकित्सा शिक्षा चिकित्सा स्वास्थ्य परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश मयंकेश्वर शरण सिंह जी ने फीता काट कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मा. राज्य मंत्री जी ने जिलाधिकारी संजय चौहान, मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, उपकृषि निदेशक सत्येंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारियों के साथ किसान गोष्ठी में विभिन्न विभागों यथा कृषि, उद्यान, मत्स्य, वन, लघु सिंचाई, दुग्ध विकास, बाल विकास, स्वास्थ्य, बैंक, इफको, समाज कल्याण, नलकूप, भूमि संरक्षण, स्वयं सहायता समूह आदि के द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। इन स्टालों के माध्यम से गोष्ठी में आए हुए किसान भाइयों को शासकीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही आधुनिक खेती करने की विधि बताई गई। इस अवसर पर मा. राज्य मंत्री जी ने कहा कि जनपद स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन जायस में हो रहा है इससे इस क्षेत्र के किसान भाइयों को गोष्ठी का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि गोष्ठी में किसान भाई कृषि की उन्नत तकनीकी के बारे में सीखें तथा उसी के आधार पर खेती करें और अपनी फसल की पैदावार को बढ़ाएं। इस दौरान मा. राज्य मंत्री जी ने वर्तमान में पर्यावरण की समस्या को देखते हुए किसान भाइयों से अपील किया कि आप लोग पेड़ जरूर लगाए। उन्होंने कहा कि वन विभाग द्वारा द एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टिट्यूट के सहयोग से एक स्कीम चलाई जा रही है इस स्कीम के अंतर्गत कृषक द्वारा पेड़ लगाए जाएंगे जिसका उपरोक्त संस्था द्वारा प्रत्येक 5 वर्ष पर सर्वे किया जाएगा जिसमें कृषकों को 6 डालर कार्बन क्रेडिट पर दिए जाएंगे इससे किसानों की कमाई भी होगी। उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत वन विभाग द्वारा किसानों को चिन्हित किया जाएगा उसके उपरांत किसानों द्वारा कृषि वानिकी में किए गए पौधरोपण से कार्बन क्रेडिट के माध्यम से उनकी आय में वृद्धि होगी इसके तहत किसानों को अधिक से अधिक तीव्र गति से बढ़ाने वाले वृक्षों यथा पॉपुलर, मीलिया, डूबिया व सेमल आदि के पौधों का रोपण करना होगा, छह अमेरिकी डॉलर के हिसाब से प्रति कार्बन क्रेडिट की खरीद होगी जिससे किसानों को लगाए गए प्रत्येक पेड़ के लिए लगभग रुपए 250-350 आय के रूप में प्राप्त होंगे जो पेड़ की कीमत के अतिरिक्त आय होगी। किसान गोष्ठी में जिलाधिकारी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि गोष्ठी के माध्यम से किसान भाई नई उन्नत तकनीकी के बारे में जानकारी प्राप्त करें तथा उसी के अनुसार खेती कर अपनी आए को बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा आपके लिए जो भी योजनाएं संचालित की गई हैं उनको धरातल पर उतरना हमारा कर्तव्य है। इस अवसर पर जनपद के किसानों को विभिन्न प्रकार के बीज व मृदा स्वास्थ्य कार्य का वितरण किया गया। किसान गोष्ठी में कृषि सेक्टर से जुड़े अधिकारियों द्वारा स्टॉल लगाकर अपने-अपने विभाग में संचालित योजनाओं की जानकारी किसानों को दी गई। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसान मेले में आए हुए किसानों को आधुनिक खेती करके कैसे अपनी आय को दोगुनी किया जाए के संबंध में विस्तृत जानकारी किसान भाइयों को दी गई। किसान गोष्ठी में जनपद के प्रगतिशील किसानों ने अपने-अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ रमेश सिंह ने किया। इस अवसर पर उक्त के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह, उप कृषि निदेशक सत्येन्द्र कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी रणवीर मिश्र, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रामप्रसाद मिश्र, ब्लॉक प्रमुख तिलोई प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी तथा जनपद के भारी संख्या में सम्मानित किसान बंधु मौजूद रहे।

8 विवाहित जोड़े पुनः साथ रहने को हुआ राजी

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के तहत कंचन सिंह प्रभारी निरीक्षक महिला थाना मय टीम द्वारा पति-पत्नी के बीच चल रहे विवादों के संबंध में शिकायतों को सुना गया तथा समस्याओं को सुलझाते हुए पति-पत्नी को साथ रहने के लिए समझाया गया । जिसमें 08 विवाहित जोड़े राजी खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गये तथा अमेठी पुलिस को धन्यवाद दिया। अमेठी पुलिस द्वारा उनको आगामी जीवन की शुभकामनाएं दी गईं ।

दिल्ली-मुंबई और बेंगलुरु में करोड़ों की चोरी... गिरफ्तार हुए अकबर और रमेश ने खोले बड़े राज

नई दिल्ली। मध्य जिले की स्पेशल स्टाफ की टीम ने दो ऐसे बदमाशों को गिरफ्तार किया है जो देश के कई राज्यों में करोड़ों की चोरी की वारदात को अंजाम दे चुके हैं। उनकी पहचान लोनी, गाजियाबाद के अकबर उर्फ फिरोज और मौजपुर के रमेश उर्फ कालू के रूप में हुई है। बताया गया कि दोनों ने मिलकर दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में कई हाई-प्रोफाइल घरों में दिनदहाड़े सेंधमारी की वारदातों को अंजाम दिया था। उनकी गिरफ्तारी से पुलिस ने चोरी के कुल 16 मामले सुलझाने का दावा किया है। उनके पास से 121 ग्राम के सोने के आभूषण और अन्य कीमती सामान भी बरामद हुआ है। उपायुक्त निधिन वालसन के मुताबिक, 27 मई को राजेंद्र नगर इलाके में दिनदहाड़े चोरी की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जिसमें शिकायतकर्ता डा. आशीष खंडेलवाल ने बताया कि जब वह उनकी पत्नी दोपहर लगभग दो बजे अपने घर लौटे तो देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ था और घर से सोने-चांदी के जेवरात व नकदी गायब थे। घर से तीन सोने के गले के हार, दो सोने की चूड़ियां हीरे के कंगन, पांच महिलाओं की हीरे अंगूठियां, तीन मर्दों की सोने की अंगूठियां, चांदी की चूड़ियां व अन्य सामान के अलावा 15 से 20 हजार नकद भी चोरी हुआ था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपितों को पकड़ने के लिए एसीपी सुरेश खुंगा के देखरेख में इंस्पेक्टर रोहित कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी निगरानी, मैन्युअल इंटेलिजेंस, सीसीटीवी फुटेज व लोकल मुखबिरों की मदद से दोनों आरोपितों की पहचान व लोकेशन पता लगाया। इसके बाद 18 जुलाई को शिवाजी पार्क, मिंटो रोड से दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पता चला कि दो जून को भी दोनों ने सीआर पार्क में एक बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया था, जिसमें एक किलो सोना, एक किलो चांदी और 20 लाख नकदी चोरी की गई थी। पुलिस के अनुसार, अकबर पहले से 16 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है, जिनमें राजेंद्र नगर, पंजाबी बाग, साकेत, माडल टाउन, वसंत कुंज, अमर कालोनी, महरौली आदि शामिल हैं। दोनों घोषित बदमाश हैं। रमेश भी हत्या के प्रयास समेत 13 मामलों में शामिल रह चुका है।

जीएसटी ऑफिस के ड्राइवर हत्याकांड का काले धन से क्या कनेक्शन? वारदात के लिए रची गई गहरी साजिश

नई दिल्ली। दिल्ली में उत्तरी जिला के बुराड़ी थानाक्षेत्र में पिछले माह जीएसटी कार्यालय में तैनात चालक अजित कुमार त्रिपाठी की हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच ने एक शूटर को गिरफ्तार कर भले ही हत्या की गुत्थी सुलझा ली है लेकिन, उसके पिता ने स मामले में गहरी साजिश की आशंका जाहिर की है। डीसीपी को दी गई शिकायत में चालक के पिता ने आशंका जाहिर की है कि काले धन को सफेद करने के धंधे से जुड़े तीन लोगों ने उनके बेटे की हत्या कराई है। मूलरूप से आजमगढ़ के रहने वाले गुलाब नाथ त्रिपाठी भी पेशे से चालक है। वह बुराड़ी के कौशिक एन्कलेव में परिवार के साथ रहने हैं। शिकायत में उन्होंने कहा है कि कुछ साल पहले उनके बेटे की मोहल्ले में रहने वाले दो युवकों से दोस्ती हो गई थी। बताया गया कि दोनों भाइयों का बुराड़ी व आस पास के इलाके में गरीब युवाओं को नौकरी दिलाने के बहाने उनके पैन कार्ड व आधार कार्ड लेकर उनके नाम से बैंक खाता खुलवाकर उक्त खातों को गलत धंधे में इस्तेमाल करने का काम है। नौकरी लगवाने पर उनके खाते में तनख्वाह आने का झांसा देकर ये लोग खाता खुलवाते थे। दोनों भाई, खारी बावली के एक एजेंट से जुड़े हुए हैं। पुलिस के अनुसार, तीनों व्यक्ति ने फर्जी बैंक खातों के जरिये कई फर्जी फर्म खोल रखा है, जिसके जरिए वे लोग खारी बावली व चांदनी चौक के व्यापारियों के काले धन को सफेद करने का धंधा करते हैं। एक प्रतिशत कमीशन लेकर वे लोग इस तरह का धंधा करते हैं। शिकायत में इन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि तीनों का कुछ गुटखा कंपनियों के मालिकों से भी सांठगांठ है। कुछ साल पहले अजित के नाम से खोले गए फर्जी फर्म में उसके नाम से खोले गए बैंक खाते में सरकारी गबन के 1.26 करोड़ रुपये आने पर सीबीआइ ने उसे नोटिस भेज दिया था।

राजधानी में ऐसा पहली बार, महिला कांवड़ियों के ठहरने के लिए लगाए गए पिंक शिविर

पूर्वी दिल्ली। राजधानी में पहली बार महिला कांवड़ियों के दो पिंक कांवड़ शिविर लगे हैं। संस्थाओं ने अपने स्तर पर पहल कर इन शिविरों को लगाया है। पिंक टेंट इनकी पहचान है। साथ ही इनमें सेवा करने के स्वयं सेवी भी महिलाएं ही हैं। इनमें ठहरने वाली महिला कावंड़ियों की संख्या कम है, लेकिन जो रुक कर जा रही हैं, वह इसे सराहनीय पहल बता रही हैं। यमुनापार में जीटीबी एन्क्लेव ई-पॉकेट में तत्व सेवा समिति पिंक कावंड़ शिविर चला रही है। शिविर संचालक समिति की अध्यक्ष दीप्ति जोशी ने बताया कि उनकी संस्था ने पहली बार ही कांवड़ शिविर लगाया है। जब इसके विचार कर रहे थे तो यही तय हुआ कि कुछ अलग किया जाए। चर्चा करते हुए सबकी सहमति बनी की केवल महिला कांवड़ियों के लिए ही शिविर लगाया जाए। शिविर का रिकॉर्ड बताता है कि इसमें अब तक चार महिला कांवड़िया ठहर कर जा चुकी हैं। शिविर से जुड़े स्वयं सेवकों का कहना है कि यह नई शुरूआत है। ठहरने वालों की संख्या अभी कम है, लेकिन आने वाले तीन दिनों में भीड़ होने की उम्मीद है। यह शिविर बाहर से देखने में पता चलता है कि यह महिलाओं के लिए ही है। इसका टेंट पिंक रंग का है। अंदर की साज सज्जा और कुर्सियां भी इसी रंग की हैं। सभी स्वयं सेवी तो नहीं, लेकिन सेवा में लगी कुछ महिलाएं पिंक सूट या साड़ी पहन रही हैं। शौचालय और स्नानागार की भी व्यवस्था है। यहां ठहर कर जा चुकी लक्ष्मी ने फोन पर बताया कि शिविर में अच्छी व्यवस्था थी। जहां पुरुष होते हैं, वहां ठहरने में थोड़ी दिक्कत महसूस होती है। इसी तरह नंद नगरी मेन वजीराबाद रोड पर बैंक कालोनी बस स्टैंड के पास भारत माता मंदिर ट्रस्ट की ओर से भी महिला कांवड़ शिविर लगाया गया है। इसमें बीते दिन तीनों में कांवड़ लेकर आने वाली 20 से अधिक महिलाएं रुक चुकी हैं। इसमें भी कांवड़ियों की सेवा महिलाएं ही कर रही हैं। कांवड़िये के आने पर सेवा भाव के साथ सब उनकी मदद करने में जुट जाती हैं। शिविर की सचिव सुनीता का कहना है कि भले ही तीन दिनों में महिला कांवड़ियों की संख्या कम रही है, लेकिन आने वाले दिनों में भीड़ अधिक रहने की उम्मीद है। इनके यहां पर पिंक टेंट लगाया गया है। बैनर पर स्पष्ट रूप से महिला कांवड़ शिविर लिखा है। प्रत्येक शिविर में दवा के लिए डेस्क है,

दिल्ली में दूषित पानी की आपूर्ति! एनजीटी ने सीपीसीबी से बिना जल बोर्ड को बताए सैंपल लेकर जांच करने को कहा

नई दिल्ली। जनकपुरी के ए-1 ब्लॉक में दूषित पानी की आपूर्ति के खिलाफ की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की शिकायत पर एनजीटी ने सीपीसीबी को फिर से बिना डीजेबी को सूचित किए सैंपल लेकर टेस्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। एनजीटी ने कहा कि सैंपल कलेक्शन की वीडियो भी बनाई जाएगी ताकि किसी को संदेह न हो। एनजीटी ने डीजेबी को कहा गया है कि जब तक समस्या पूरी तरह ठीक नहीं हो जाती, तब तक लोगों को हैदरपुर वाटर प्लांट से साफ पानी की वैकल्पिक व्यवस्था करे। शिकायत में आरोप है कि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) दूषित पानी, यानी गंदे नाले के पानी से मिला हुआ पीने का पानी, लोगों को सप्लाई कर रहा है।

एमसीडी कर्मियों के इलाज में नौ करोड़ की हेराफेरी, जांच समिति ने अस्पताल से 2020 से हुए पत्राचार की जानकारी मांगी

नई दिल्ली। दिल्ली व नोएडा के एक प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में एमसीडी कर्मचारियों के कैशलेश इलाज का भुगतान करने में 9 करोड़ रुपये की हेराफेरी के मामले में एमसीडी ने भी जांच समिति गठित कर दी है। अब एमसीडी यह पता लगा रही है कि इसमें किसी निगम कर्मचारी और अधिकारी की भूमिका संधिग्द तो नहीं है। इसके लिए जांच समिति की पहली बैठक 16 जुलाई को हुई थी। इसके बाद जांच समिति ने अस्पताल को 2020 से हुए डिजिटल और व्यक्तिगत के अलावा जो भी पत्र व्यवहार हुआ उसकी जानकारी मांगी है। इसके बाद जल्द ही दूसरी बैठक बुलाकर यह देखा जाएगा कि भुगतान में गड़बड़ी कहीं एमसीडी के स्तर पर तो नहीं हुई। अधिकारियों की कमी तो नहीं वहीं, सूत्रों मुताबिक एमसीडी एक निजी अस्पताल के प्रकरण के बाद दूसरे निजी अस्पतालों को भी हुए भुगतान की जांच करेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि हम फिलहाल हम जिस अस्पताल का मामला सामने आया उसी मामले की जांच कर रहे हैं। इसमें हम देखेंगे कि जो 9 करोड़ रुपये का भुगतान एमसीडी द्वारा किया गया और वह निजी खातों में गया उसमें कहीं एमसीडी के कर्मचारियों के साथ दूसरे अन्य अधिकारियों की कमी तो नहीं है। निजी अस्पताल प्रबंधन ने एमसीडी को किया था संपर्क अधिकारी ने बताया कि जो भी अस्पताल हमारे कर्मियों के कैशलेश इलाज के लिए एमसीडी से जुड़े हुए हैं उन सभी अस्पताल प्रबंधन को हम संपर्क कर यह कह रहे हैं कि जो लेन देन से संबंधी जो भी अधिकारी उन्होंने नियुक्त कर रखे हैं उनकी सेवा समाप्त करने और उनकी विश्वसनीयता के लिए एमसीडी को अधिकृत रूप से जानकारी देते रहे। उल्लेखनीय है कि मार्च 2025 में एक निजी अस्पताल प्रबंधन ने 74.90 लाख रुपये भुगतान न करने के लिए एमसीडी को संपर्क किया था। जब अस्पताल के अधिकारी एमसीडी दफ्तर पहुंचे तो एमसीडी ने पूर्व में ही इसके भुगतान की सूचना अस्पताल को दी। क्यों कहा गया दूसरे खाते में रुपया भेजने को जांच में पता चला कि जो बिल का भुगतान एमसीडी ने किया था वह अस्पताल के खाते में नहीं बल्कि निजी खातों में गया था।

एक हाथ और पैर काटने के बाद भी नहीं बचा पाए डॉक्टर, ठोकर मारने वाले डंपर चालक की तलाश में दिल्ली पुलिस

दक्षिणी दिल्ली। डिफेंस कॉलोनी के पास डंपर की चपेट में आकर घायल हुए एक व्यक्ति की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। घटना छह जुलाई की है। कोटला मुबारकपुर निवासी सब्जी विक्रेता समीर छह जुलाई को तड़के रिक्शे पर मंडी जा रहे थे। इस दौरान एक डंपर उन्हें टक्कर मारकर भाग गया। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इस दौरान उनका एक हाथ और एक पैर काटना पड़ा। इसके बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका और उनकी रविवार को मौत हो गई। पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर रखा है और उसकी तलाश में जुटी है।

पीड़ित ने कानूनगो पर 5000 रुपये लेकर जमीन न नापने का लगाया आरोप

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- तहसील अमेठी क्षेत्र के गुलरिहन का पुरवा निवासी अवध नारायण ने कानूनगो अशोक कुमार पर 5000 रुपये की अवैध वसूली और काम न करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि उसने अपनी जमीन की हकबहरी कराने के लिए सरकारी फीस नियमानुसार बैंक में जमा की थी, लेकिन जब पैमाइश के लिए कानूनगो से संपर्क किया गया तो उन्होंने 5000 रुपये की अतिरिक्त मांग की। अवध नारायण के मुताबिक, कानूनगो अशोक कुमार ने कहा कि पहले 5000 रुपये दो, तभी जमीन नापने आऊँगा। पीड़ित ने मजबूरी में यह रकम दे दी, लेकिन रुपये लेने के बाद भी जमीन की पैमाइश नहीं की गई। अशोक कुमार लगातार टालते रहे और इस बीच उनका तबादला भी हो गया। अब जब पीड़ित ने अपनी रकम वापस मांगी तो कानूनगो ने पैसा लौटाने से इनकार कर दिया। इससे क्षुब्ध होकर अवध नारायण ने उपजिलाधिकारी आशीष सिंह को प्रकरण की लिखित शिकायत सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।

रिश्वत लेने के आरोप में फंसे दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल को मिली जमानत, कोर्ट ने दीं सख्त हिदायतें...

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने रिश्वत लेने के आरोप में फंसे दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल अशोक कुमार को अदालत ने अग्रिम जमानत दे दी है। विशेष न्यायाधीश डा. रुचि अग्रवाल असरानी की अदालत ने आरोपित को 50 हजार के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की एक जमानती पर अग्रिम जमानत दे दी। गवाह को धमकाने या संपर्क करने से मना किया कोर्ट ने कहा कि आरोपित को पुलिस हिरासत में पूछताछ की जरूरत नहीं है और वह अग्रिम जमानत का हकदार है। अदालत ने आरोपित को रिहा करते हुए कड़ी शर्तें भी लगाईं। अदालत ने कहा कि आरोपित को मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और घटना के दिन की वर्दी जांच अधिकारी को सौंपनी होगी। अदालत ने आरोपित को जमानत के दौरान किसी भी गवाह को धमकाने या संपर्क करने से मना किया गया है। कोर्ट को देनी होगी इन सब बातों में सूचना इसके साथ ही अपना मोबाइल नंबर और पता बदलने पर जांच अधिकारी व कोर्ट को जानकारी देने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि देश छोड़ने से पहले अदालत को सूचना देनी होगी। शिकायतकर्ता चंदर सिंह ने आरोप लगाया था कि आरोपित हेड कांस्टेबल अशोक कुमार ने संपत्ति से पेड़ हटवाने की एवज में 20 हजार की रिश्वत मांगी थी। शिकायत दर्ज होने के बाद विजिलेंस टीम ने आरोपित के खिलाफ ट्रैप आपरेशन चलाया लेकिन वह मौके से मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गया।

दिल्ली पुलिस ने दो शातिरों को किया गिरफ्तार; दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में दो दर्जन से अधिक चोरी की

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मिंटो रोड से दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में दो दर्जन से अधिक चोरी के मामलों में वांछित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी है। इन चोरों पर दिल्ली के ओल्ड राजिंदर नगर और सीआर पार्क से दर्ज हाई-प्रोफाइल चोरी के मामले शामिल हैं। हाई-प्रोफाइल चोरी के मामले भी शामिल इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार, डीसीपी (सेंट्रल) निधिन वल्सन ने बताया कि अकबर उर्फ फिरोज उर्फ बाबू (40) और रमेश उर्फ कल्लू (42) को 18 जुलाई को मिंटो रोड के पास शिवाजी पार्क के निकट गिरफ्तार किया गया। उनकी गिरफ्तारी के साथ कम से कम 16 चोरी के मामले सुलझाए गए हैं। इनमें राष्ट्रीय राजधानी के ओल्ड राजिंदर नगर और सीआर पार्क से दर्ज हाई-प्रोफाइल चोरी के मामले भी शामिल हैं। चांदी और हीरे के आभूषण चुराये डीसीपी ने कहा, पुलिस ने उनके कब्जे से 12 लाख रुपये से अधिक कीमत के चोरी के सोने के आभूषण बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि यह सफलता 27 मई को ओल्ड राजिंदर नगर से दर्ज एक घर में चोरी की शिकायत की जांच के दौरान मिली, जहां शिकायतकर्ता ने घर लौटने पर घर को तहस-नहस पाया और सोने, चांदी और हीरे के आभूषणों के साथ-साथ लगभग 20,000 रुपये नकद गायब थे। 20 लाख रुपये नकद लूटे राजिंदर नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया और संक्षिप्त पीछा करने के बाद आरोपियों को ट्रेस कर गिरफ्तार किया गया। वल्सन ने कहा, पूछताछ के दौरान, दोनों ने राजिंदर नगर चोरी और 2 जून को सीआर पार्क में हुई एक बड़ी चोरी में अपनी संलिप्तता कबूल की, जहां उन्होंने 1 किलो सोना, 1 किलो चांदी के आभूषण और 20 लाख रुपये नकद लूटे। पुलिस ने बताया कि दोनों आदतन चोर और घोषित अपराधी हैं, जो पकड़े जाने से बचने के लिए बार-बार स्थान बदलते रहते थे। डीसीपी ने कहा, अकबर दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में कम से कम 20 पिछले आपराधिक मामलों में शामिल था, जबकि रमेश 13 आपराधिक मामलों में नामजद था। पुलिस को सीमापुरी में एक झुग्गी तक ले गए आरोपी पुलिस को सीमापुरी में एक झुग्गी तक ले गए, जहां वे चोरी का सामान रखते थे। उन्होंने अपने तीसरे साथी, मोनू उर्फ अभिषेक, की पहचान भी बताई, जो वर्तमान में फरार है। उसे ट्रेस करने और गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। अधिकारी ने बताया कि अकबर को 2018 में प्रशांत विहार पुलिस स्टेशन में दर्ज एक चोरी के मामले में घोषित अपराधी घोषित किया गया था जबकि रमेश 2016 में शाहदरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एक हथियार मामले और 2004 में नंद नगरी पुलिस स्टेशन में दर्ज एक अन्य मामले में नामजद था।

बिहार में कारोबारी की हत्या, तेजस्वी का नीतीश पर तंज... जंगलराज नहीं कहा जा सकता

पटना (एजेंसी)। पटना में व्यवसायी और भाजपा नेता गोपाल खेमका की गांधी मैदान स्थित उनके आवास के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई। सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि एक बाइक सवार हमलावर खेमका का इंतजार कर रहा था, जो एक सुनियोजित हत्या को दिखाता है। इस घटना ने बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर सियासी बहस छेड़ दी है। उधर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक कर दो टूक कहा हैं कि अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पोस्ट किया कि कानून-व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उन्होंने आपराधिक घटनाओं की जांच में तेजी लाने और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने पुलिस और प्रशासन को पूरी मुस्तैदी और कड़ाई से काम करने के लिए कह दिया है। हालांकि, हत्या को लेकर चुनावी साल में विपक्ष ने नीतीश सरकार पर हमला बोला है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने पोस्ट कर कहा कि थाना से चंद कदम दूर बिहार के बड़े व्यापारी की गोली मारकर हत्या हुई है और हर महीने बिहार में सैकड़ों व्यापारियों की हत्या हो रही है, लेकिन इस जंगलराज नहीं कहा जा सकता। वहीं लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने लिखा कि नीतीश नीत राक्षसराज में बिहार में कानून-व्यवस्था की अंत्येष्टि हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस-प्रशासनिक महकमा अक्षम हो चुका है और मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री केवल औपचारिकताएं पूरी कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं।

कर्नाटक में मादा बाघिन और उसके चार शावक की मौत, दो अधिकारी निलंबित

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांडरे ने माले महादेश्वर (एमएम) पहाड़ियों में पांच बाघों की अप्राकृतिक मौत के संबंध में लापरवाही और कर्तव्य निर्वहन में चूक के लिए दो अधिकारियों को निलंबित किया है। वन-विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मंत्री ने मामले में उप वन संरक्षक (डीसीएफ) वाई चक्रपाणि को निलंबित करने की भी सिफारिश की है। एमएम हिल्स के हुग्याम रेंज में 26 जून को एक मादा बाघिन और उसके चार शावक मृत मिले थे। मंत्री खांडरे ने चक्रपाणि के आचरण की विभागीय जांच की भी सिफारिश की। घटना के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। खांडरे का यह निर्णय अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एपीसीसीएफ) कुमार पुष्कर की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय जांच समिति द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक रिपोर्ट की समीक्षा के बाद आया। घटना की जांच के लिए समिति का गठन हुआ था। मंत्री ने समिति को 10 जुलाई तक अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। खांडरे के कार्यालय ने कहा, बाघों की अप्राकृतिक मौत मामले में अधिकारियों की लापरवाही और कर्तव्यों का पालन ना करने के स्पष्ट सबूत हैं जिनके आधार पर मंत्री ने कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग से डीसीएफ वाई चक्रपाणि के निलंबन की सिफारिश की है।

कोयला खदान का एक हिस्सा ढहने से चार की मौत, अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका

रामगढ़ (एजेंसी)। झारखंड के रामगढ़ जिले में अवैध खनन के दौरान कोयला खदान का एक हिस्सा ढहने से चार व्यक्ति की मौत हुई और कुछ अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका जाहिर की गई है। पुलिस के अनुसार कर्मा इलाके में शनिवार सुबह 6 बजे हादसा हुआ। ग्रामीणों के अनुसार खदान के धंसने से चार लोगों की मौत हुई है, हालांकि पुलिस की ओर से अब तक एक शव बरामद होने की बात कही गई है। फिलहाल बचाव अभियान जारी है। खदान में कुछ और लोगों के फंसे होने की आशंका है। जानकारी के अनुसार कर्म प्रोजेक्ट क्षेत्र में सीसीएल की ओर से कोयला उत्खनन का कार्य हो रहा था। शनिवार की सुबह ग्रामीण भी कोयला निकालने पहुंचे थे, जहां अचानक चाल धंसने से चार मजदूरों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। घायलों में दो ही हालत गंभीर है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने कर्म प्रोजेक्ट कार्यालय के गेट के निकट सभी शवों को रखकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सीसीएल प्रबंधन से मुआवजा देने की मांग की है।

नाश्ता कर रहे अमरनाथ यात्रियों की बसों को दूसरी बस ने मारी टक्कर

-36 श्रद्धालु घायल, प्राथमिक उपचार के बाद बसों को किया गया रवाना

रामबन (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में शनिवार सुबह एक सड़क हादसे में अमरनाथ यात्रा कर रहे 36 श्रद्धालु घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब तीर्थयात्रियों के काफिले में शामिल एक बस ने चार बसों को पीछे से टक्कर मार दी। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस ने बताया कि तीर्थयात्रियों का काफिला नाश्ते के लिए चंदरकोट में रुका था। उसी दौरान एक बस के ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और वह खड़ी बसों से जा टकराई, जिससे कई बसों को नुकसान पहुंचा है और यात्रियों को चोटें आईं हैं। हादसे में करीब 36 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से ज्यादातर को मामूली चोटें आई हैं।

पुलिस ने कहा है कि प्राथमिक उपचार के बाद ज्यादातर श्रद्धालु अपनी यात्रा जारी रखने के लिए तैयार हैं। हालांकि तीन से चार यात्रियों की चोटें गंभीर हैं उन्हें आगे यात्रा करने की इजाजत नहीं दी सकी है। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए ले जाया गया। प्रशासन और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य किया और स्थिति पर नियंत्रण पाया। घटना के बाद काफिले की आगे की यात्रा कुछ देर के लिए रोक दी गई, लेकिन स्थिति सामान्य होने के बाद श्रद्धालुओं को रवाना किया गया। बता दें इस साल अमरनाथ यात्रा में लाखों श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन करने जम्मू-कश्मीर पहुंच रहे हैं। प्रशासन ने यात्रा की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं।

देश के कई राज्यों में 10 जुलाई तक होगी जमकर बारिश, तेज हवा और बिजली गिरने का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश ने कहर बरपाया है। पिछले दो सप्ताह में हिमाचल प्रदेश में 43 लोगों की मौत हो गई, जबकि 37 अन्य लोग लापता हैं। गुरुवार को उत्तराखंड के भीमताल में उफनती झील में भारतीय वायुसेना के 2 कर्मी डूब गए। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के निवासियों को शुक्रवार को भी कई निचले इलाकों में जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ा। जल निकासी व्यवस्था ठप होने के कारण भुवनेश्वर नगर निगम को बारिश का पानी निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

भारी बरसात के चलते कुछ जगहों पर तबाही भी देखने को मिली है। बारिश और आंधी-तूफान का यह सिलसिला अभी जारी रहने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, मॉनसून ट्रफ सामान्य स्थिति में है। पूर्वी मध्य प्रदेश में निचले स्तर पर चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। गंगीय पश्चिम बंगाल के उत्तरी भागों में भी निचले व मध्य स्तर पर चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र देखा गया है। इन मौसमी प्रणालियों के प्रभाव से पूर्वी, मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में अगले 7 दिनों तक भारी से अत्यधिक भारी बारिश होगी। ऐसे में आपको पहले से सतर्क हो जाने की जरूरत है। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून ने 20 जून को दस्तक दी। बादल फटने, अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण राज्य को अब तक 5,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। राज्य में जान गंवाने वाले 43 लोगों में से 14 की मौत बादल फटने से, 8 की अचानक आई बाढ़ में और एक की मौत भूस्खलन में हुई, जबकि सात लोगों की डूबने मौत हुई। सबसे अधिक 17 मौतें मंडी जिले में हुईं, जहां मंगलवार को बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। अधिकारियों ने बताया कि मंडी जिले से लापता 31 लोगों की तलाश अब भी जारी है। स्थानीय मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्टजारी किया है, जिसमें शनिवार से मंगलवार तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। देश के पूर्वी हिस्से में ओडिशा के निचले इलाकों में जलभराव जारी है। भुवनेश्वर नगर निगम आयुक्त राजेश प्रभाकर पाटिल ने लक्ष्मीसागर और बडागड़ा सहित कुछ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और युद्धस्तर पर पानी निकालने का निर्देश दिया। नगर निकाय ने लोगों को बडागड़ा से रसूलगढ़ जाने वाले मार्ग पर नहीं जाने और वैकल्पिक सड़कों का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। अच्छी खबर यह है पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर और असम की बराक घाटी के लिए ट्रेन सेवाएं शुक्रवार को बहाल कर दी गईं। दीमा हसाओ जिले में भूस्खलन के कारण एक दिन पहले क्षेत्र में ट्रेन सेवाएं बाधित हो गई थीं।

मध्य प्रदेश और राजस्थान में भारी बारिश

मध्य प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश से शुक्रवार को जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। आईएमडी ने राज्य के पूर्वी हिस्से में मंडला, सिवनी और बालाघाट जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 27 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। बारिश के कारण जबलपुर और मंडला जिलों को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन होने के बाद यातायात अवरूद्ध हो गया। राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मॉनसून की तेज बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे में सर्वाधिक 128 मिलीमीटर बारिश पोकरण में हुई। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अनेक भागों में तेज बारिश का दौर अभी जारी रहेगा। पिछले चौबीस घंटे की अवधि में राज्यभर, खासतौर पर पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी से अति भारी बारिश हुई। इस दौरान सबसे अधिक बारिश पोकरण में 128 मिलीमीटर हुई। आईएमडी के अनुसार, पूर्वी राजस्थान के कोटा, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में आगामी चार-पांच दिन बारिश की गतिविधियां जारी रहेंगी। कहीं-कहीं भारी/अतिभारी बारिश की संभावना है। वहीं जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी आगामी दो-तीन दिन मध्यम व कहीं-कहीं तेज बारिश हो सकती है।

राजनाथ, डोभाल के बाद अब जयशंकर जा रहे चीन की तीन दिवसीय यात्रा पर

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर 13 जुलाई से चीन के तीन दिवसीय दौरे पर जा रहे है। इस दौरान वे द्विपक्षीय और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठकों में भाग लेने वाले है। यह दौरा तब हो रहा है जब भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में गश्त के अधिकारों पर सहमति के बाद संबंधों को सामान्य करने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में इस मुद्दे पर सहमति बनी थी, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान कजान में हुई थी। जयशंकर का यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह गलवान झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों को पटरी पर लाने की कोशिश का हिस्सा है। उम्मीद है कि इस दौरे से भारत और चीन के रिश्तों में सुधार आएगा। बात दें कि जयशंकर तियानजिन में एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने वाले है। यह बैठक 1 सितंबर को होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन से पहले हो रही है, जिसके लिए चीन ने प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया है। जयशंकर बीजिंग में चीन के कई नेताओं से मुलाकात करने और आपसी सहयोग पर बातचीत करने वाले है। इस दौरे का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को सामान्य करना है। इसके तहत कैलाश मानसरोवर यात्रा पांच साल के बाद फिर से शुरू हो गई है, और दोनों देश सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने पर भी बातचीत कर रहे हैं।

राहुल गांधी, उनके साथी और कांग्रेस पार्टी नकारात्मकता फैलाते हैं: पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका के साथ भारत की व्यापार वार्ता पर दिए गए बयान पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत समय-सीमा के तहत बातचीत नहीं करता है, हम राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए बातचीत करते हैं। दुनिया भर में हमारे सभी कार्यों में राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है।

उन्होंने कहा कि आज हम आत्मविश्वास से भरे हैं और दुनिया में किसी से भी मुकाबला कर सकते हैं। राहुल गांधी पर तंज सकते हुए गोयल ने कहा कि यह यूपीए शासन वाला भारत नहीं है, जो राष्ट्रीय हित के बिना बातचीत के लिए भीख मांगता था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता है, क्योंकि वे उनके साथी और उनकी पार्टी नकारात्मकता फैलाते हैं। उन्होंने भारत के लोगों का विश्वास खो दिया है, जिन्होंने बार-बार कांग्रेस को नकार दिया है। आज तक वे देश के विकास के लिए कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं बना पाए हैं। इससे पहले राहुल गांधी ने उनके इस बयान को लेकर एक्स पर पोस्ट में लिखा- पीयूष गोयल जितना चाहें अपनी छाती पीट सकते हैं, मेरे शब्दों पर गौर करें, ट्रंप की शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने मोदी आसानी से झुक जाएंगे। ट्रंप ने भारत से आयात होने वाले उत्पादों पर दो अप्रैल को 26 फीसदी का अतिरिक्त जवाबी शुल्क लगा दिया था। हालांकि, कुछ दिन बाद ही इसे 90 दिन के लिए टाल दिया गया था जिसकी मियाद 9 जुलाई को पूरी हो रही है।

उद्धव और राज के साथ आने पर चिराग का तंज, दोनों भाई अपना वजूद बचाने के लिए साथ आए

पटना (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हिंदी भाषा विवाद पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि मैं हर भाषा का समर्थन और सम्मान करता हूं। उन्होंने कहा कि यह भारत की खूबसूरती है कि अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग भाषाएं बोली जाती हैं। हर कुछ किलोमीटर पर हमारी बोली बदल जाती है। मैं भाषाओं को दोस्त मानता हूं, वे एक साथ खुशी-खुशी बढ़ी हैं। लेकिन जिस तरह से कुछ स्वार्थी राजनीतिक दल भेदभाव की राजनीति को बढ़ावा देते हैं, चाहे वह जाति, धर्म, क्षेत्र और अब भाषा हो। मैं इसका बिल्कुल भी समर्थन नहीं करता।

केंद्रीय मंत्री चिराग ने कहा कि भारत का संविधान हमें देश के किसी भी कोने में रहने और कोई भी भाषा बोलने की अनुमति देता है। उद्धव और राज ठाकरे के सालों बाद साथ आने पर चिराग ने कहा कि वे भाषा के लिए

नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के लिए साथ आ रहे हैं। वे अपना खोया हुआ आधार वापस पाने के लिए बेताव हैं। दोनों भाइयों ने देखा कि अलग रहने से न केवल उनकी ताकत कम हुई बल्कि खत्म भी हो गई।

केंद्रीय मंत्री चिराग ने कहा कि मुझे यकीन नहीं है कि उन्होंने अपने मतभेद सुलझाए हैं...मेरा मानना है कि वे सिर्फ अपने राजनीतिक फ़ायदे के लिए साथ आए हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके दिल इतनी जल्दी जुड़ जाते और राजनीतिक मतभेद खत्म हो जाते। उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे ''एकसाथ रहने के लिए साथ आए हैं।'' उद्धव ने करीब 20 वर्ष बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख के साथ राजनीतिक मंच साझा किया।

उन्होंने कहा कि वह और राज मिलकर मुंबई नगर निगम और महाराष्ट्र की सत्ता पर कब्जा करने वाले है। उद्धव ने कहा, ''हम साथ रहने के लिए साथ आए हैं। दो दशकों के बाद उद्धव और राज ने सार्वजनिक मंच साझा किया और 'आवाज मराठीचा' नामक एक विजय सभा आयोजित की जो राज्य के स्कूलों में कक्षा एक से तीसरी के रूप में हिंदी को शामिल करने के लिए सरकार द्वारा पहले जारी किए गए दो सरकारी आदेशों को वापस लेने का जश्न मनाने के लिए की गई।

केरल में निपाह वायरस ने फिर दी दस्तक, दो संदिग्ध मिले, तीन जिलों में अलर्ट

तिरुवनंतपुरम। केरल में निपाह वायरस के संभावित खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से मुस्तैद है। कोझिकोड, मलप्पुरम और पलक्कड़ जिलों में विशेष टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें मरीजों के हिस्ट्री और लक्षणों पर नजर रखेंगी। साथ ही लोगों को इस बारे में जानकारी भी देंगी। अधिकारियों को मलप्पुरम और पलक्कड़ जिलों में कुछ संदिग्ध मामले मिले हैं। ये मामले कोझिकोड और मलप्पुरम के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों में नियमित जांच के दौरान सामने आए। केरल में निपाह वायरस के संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है। दो लोगों में इस बीमारी के लक्षण दिखने के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। शुक्रवार को केरल के तीन उत्तरी जिलों- कोझिकोड, मलप्पुरम और पलक्कड़ में अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान में सैंपलों को जांच के लिए भेजा गया है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने स्थिति का जायजा लेने के लिए एक आपात बैठक की और निवारक उपायों को सख्त करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि सरकार इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। पुलिस से भी मदद मांगी गई है ताकि रोगियों के संपर्क में आए लोगों की पहचान की जा सके।

स्टालिन के खिलाफ पलानीस्वामी ने भरी हुंकार, नया लोगो और नारा जारी किया

-7 जुलाई को कोयंबटूर से शुरू होगा राज्यव्यापी अभियान

चेन्नई (एजेंसी)। देश के दक्षिण राज्य तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव होने है। इस लेकर एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने राजधानी चेन्नई स्थित पार्टी मुख्यालय 'एमजीआर मालिगई' से एक नया लोगो और नारा जारी करके अपने 2026 के विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत की। उन्होंने घोषणा की कि 'मक्कलाई कप्पोम, तमिजहागथाई मीटपोम' (आइए लोगों की रक्षा करें, आइए तमिलनाडु को मुक्ति दिलाएं) शीर्षक से उनका राज्यव्यापी अभियान 7 जुलाई को कोयंबटूर से शुरू होगा, जो पहले चरण में आठ जिलों को कवर करेगा।

नए लांच किए गए अभियान के लोगो में एआईएडीएमके के झंडे के साथ दो पत्ते, क्रांति का प्रतीक एक उठी हुई मुट्ठी और 'पुरात्ची तमिजहरिन एझुची पयानम' और 'तमिलगाथई कप्पोम, मकलाई मीटपोम' के नारे शामिल हैं,

जो तमिलनाडु के लोगों की रक्षा और उत्थान के पार्टी के मिशन को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि पेरारिगनार अन्ना के पदचिन्हों पर चलते हुए, हमारे नेता एमजीआर और अम्मा ने लोगों के लिए अपना पूरा जीवन खपा दिया है। एआईएडीएमके उसकी अनुसरण करते हुए लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर तीखा कटाक्ष कर पलानीस्वामी ने कहा, मुख्यमंत्री स्टालिन कहते हैं कि विपक्षी नेता अब केवल लोगों से मिल रहे हैं। लेकिन स्टालिन को लगता है कि वे मेरे बारे में बोल रहे हैं, लेकिन वास्तव में वे अपने बारे में कह रहे हैं। मैं हमेशा लोगों के साथ रहता हूं। पलानीस्वामी ने स्पष्ट किया कि हालांकि यह एक अभियान यात्रा थी, लेकिन इसका राजनीतिक लक्ष्य कहीं अधिक बड़ा है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य इस दुष्ट सरकार को हटाना है। उन्होंने 2026 के राज्य चुनावों से पहले टकराव का स्वर भी दिखाया। उन्होंने कहा, डीएमके को हराने के लिए सभी समान विचारधारा वाली पार्टियों को एकजुट होना चाहिए। उन्हें हमारे अनुरोध को भी स्वीकार करना चाहिए, जो हमारी राय है।

दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में शामिल होना खुशी की बात: रिजिजू

-दुनिया भर से भक्त और अनुयायी धर्मशाला पहुंचे, लंबी उम्र की प्रार्थना की

धर्मशाला (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को धर्मशाला में तिब्बती आध्यात्मिक नेता और 14वें दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में शामिल होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि दलाई लामा की लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की गई, जबकि उनका 90वां जन्मदिन रविवार को मनाया जाएगा। रिजिजू ने कहा कि वह दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में शामिल होने यहां आए हैं। दुनिया भर से भक्त यहां आए हैं और मुझे खुशी है कि मैं भी इसमें शामिल हो रहा हूं।

किरेन रिजिजू के अलावा अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू और प्रसिद्ध हॉलीवुड अभिनेता रिचर्ड गेरे भी दलाई लामा के जन्मदिन समारोह

में शामिल होने पहुंचे हैं। ग्रेगोरियन कैलेंडर के मुताबिक दलाई लामा का जन्मदिन आधिकारिक तौर पर 6 जुलाई को मनाया जाता है। इस मौके को तिब्बती समुदाय और अनुयायी उत्सवी भावना और भक्ति के साथ मनाते हैं। 2 जुलाई को दलाई लामा ने कहा कि उनके द्वारा स्थापित संस्था गदेन फोडरंग ट्रस्ट केवल भावी पुनर्जन्मों को मान्यता दे सकती है और इस मामले पर फैसला लेने का अधिकार किसी और को नहीं है।

बता दें दलाई लामा ने बुधवार को कहा था कि भविष्य के दलाई लामा को मान्यता देने की प्रक्रिया 24 सितंबर 2011 के बयान में स्पष्ट रूप से की गई है, जिसमें कहा गया है कि ऐसा करने की जिम्मेदारी केवल गदेन फोडरंग ट्रस्ट, परम पावन दलाई लामा के कार्यालय के सदस्यों पर होगी। उन्हें तिब्बती बौद्ध परंपराओं के प्रमुखों और दलाई लामाओं की वंशावली से अविभाज्य रूप से जुड़े विश्वसनीय शपथबद्ध धर्म रक्षकों से परामर्श करना चाहिए।

भाजपा अध्यक्ष बनने की रेस में आधा दर्जन दिग्गज, इसमें 3 महिला, 3 पुरुष शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के प्रदेशों में भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ती के बाद अब भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना है।दिलचस्प बात यह है कि इस बार चर्चा है कि पार्टी अपने इतिहास में पहली बार किसी महिला नेता को राष्ट्रीय अध्यक्ष बना सकती है। हालांकि, अब तक दावेदारों में 6 नेताओं के नाम सामने आ चुके हैं। उनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। मौजूदा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में समाप्त हो चुका था, लेकिन चुनावों को ध्यान में रखते हुए उनके कार्यकाल को जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। अब, भाजपा नए अध्यक्ष की नियुक्ति की तरफ आगे बढ़ रही है।

पुरुष दिग्गजों की बात करें तो ओडिशा से आने वाले केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को भाजपा का कुशल रणनीतिकार माना जाता है। वे ओबीसी समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं और पार्टी के आंतरिक हलकों में गहरी पैठ रखते हैं। उनके नेतृत्व में पार्टी ने कई चुनावी मोर्चों पर शानदार प्रदर्शन किया है। मामा के नाम से लोकप्रिय शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश के चार बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं और अब केंद्र में मंत्री हैं। वे भाजपा के सबसे लोकप्रिय जननेताओं में गिने जाते हैं। उनकी सहजता, सादगी और ग्रामीण भारत में पकड़ उन्हें पार्टी का एक जन-चेहरा बनाती है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर अब केंद्र सरकार का हिस्सा हैं। उनकी प्रशासनिक साख और संघ से निकटता उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उपयुक्त बनाती है। वे पार्टी के उस वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं जो अनुशासन और कार्यसंस्कृति पर विशेष बल देता है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा अगला अध्यक्ष चुनते समय तीन प्रमुख बिंदुओं को ध्यान में रख रही है। उनमें संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन और जातीय समीकरण। महिला नेतृत्व की संभावना इसलिए भी मजबूत मानी जा रही है क्योंकि भाजपा ने 2023 में महिला आरक्षण विधेयक को संसद में पास कराया था। इसके अलावा, हालिया चुनावों में महिला वोटर्स ने भाजपा को निर्णायक समर्थन दिया है। एक महिला अध्यक्ष पार्टी को सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर बड़ा संदेश देने में मदद कर सकती है।

देश की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण न केवल भाजपा की वरिष्ठ नेता हैं, बल्कि वे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत का मजबूत प्रतिनिधित्व करती रही हैं। वे तमिलनाडु से आती हैं, जहां भाजपा अपनी पैठ मजबूत करना चाहती है। उनकी प्रशासनिक दक्षता और पार्टी नेतृत्व से करीबी उनकी उम्मीदवारी को मजबूत बनाती है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और एनटी रामाराव की बेटी डी. पुरंदेश्वरी हाल ही में आंध्र प्रदेश भाजपा प्रमुख रही हैं। वे पार्टी के ÷ऑपरेशन सिंदूर÷ जैसे कूटनीतिक मिशन का हिस्सा भी रह चुकी हैं। उनकी बहुभाषीयता और राजनीतिक विरासत उन्हें एक प्रभावशाली दक्षिण भारतीय चेहरा बनाती है।कोयंबटूर दक्षिण से विधायक वानाथी श्रीनिवासन भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुकी हैं। 1993 से पार्टी से जुड़ी श्रीनिवासन को 2022 में भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति में जगह मिली थी।

ऐसा करने वाली पहली तमिल महिला नेता बनीं। वे जमीनी कार्यकर्ता और संगठन की नब्ज समझने वाली नेता मानी जाती हैं।

भारत /इंग्लैंड दूसरे टेस्ट: भारत ने लंच तक बनाये तीन विकेट पर 177, कुल बढ़त 357

बर्मिंघम (एजेंसी)। केएल राहुल (55) और ऋषभ पंत (नाबाद 41) की शानदार पारियों के दम पर भारत ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन शनिवार को भोजनकाल तक तीन विकेट पर 177 रन बना लिये और उसकी कुल बढ़त 357 रनों की हो गई है।

भारत ने कल के एक विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में भारत को दूसरा झटका करूण नायर के रूप में लगा। उन्हें ब्राइडन कार्स ने विकेटकीपर स्मिथ के हाथों कैच आउट कराया। उस समय भारत का स्कोर 96 रन था। जॉश टंग ने भोजनकाल से पहले के एल राहुल को आउटकर भारत को दूसरा झटका दिया। के एल राहुल ने 84 गेंदों में 10 चौकों की मदद से (55) रनों की जुझारू पारी खेली।

भोजनकाल तक भारत ने तीन विकेट पर 177 रन बना लिये है और उसकी कुल बढ़त 357 रनों की हो गई है। कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 24) और ऋषभ पंत (नाबाद 41) बनाकर क्रीज पर है।

पहले सत्र में भारत ने दो विकेट गंवाए और कुल 111 रन बटोरे। भारत के पास अब 357 रनों की बढ़त और उसके हाथ में सात विकेट शेष हैं। पहले घंटे में गेंदबाजों को काफी मदद मिल रही थी और करुण नायर कार्स का शिकार बन गए। इसके बाद राहुल ने अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन वह टंग की अंदर आती गेंद पर गच्चा खा गए। हालांकि गिल दूसरे छोर पर डटे रहे और पंत ने आते ही आक्रमण चालू कर दिया। पंत को दो जीवनदान जरूर मिले लेकिन उन्होंने 35 गेंदों पर तेजी से पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 41 रन बना लिए हैं। अब अगले सत्र में भारत की नजर इस बढ़त को और आगे ले जाने पर होगी तो वहीं इंग्लैंड जल्द वापसी करने के इरादे से उतरेगा। इंग्लैंड की ओर से जॉश टंग ने दो विकेट लिये। ब्राइडन कार्स ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले भारत ने पहली पारी में 587 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। वहीं इंग्लैंड ने पहली पारी में 407 रन बनाये थे।

भारत के खिलाफ इंग्लैंड की महिला टीम को लगा झटका, इंग्लिश कप्तान सिवर-ब्रंट चोट के कारण सीरीज से बाहर

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकट टीम मौजूदा समय में इंग्लैंड दौरे पर हैं। जहां वह इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। इस सीरीज के बीच में इंग्लिश टीम को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, टीम की कप्तान चोट के कारण बाकी बचे हुए मैचों से बाहर हो गई है।

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 सीरीज में बड़ा झटका लगा है। टीम की कप्तान नैट सिवर ब्रंट चोट के चलते सीरीज से बचे हुए मैचों से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह हैम्पशर की प्रतिभाशाली बल्लेबाज माइया बाउचर को टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सिवर- ब्रंट की कमर में चोट के कारण वह सीरीज से बाहर हो गई हैं। हालांकि, उम्मीद है कि वह आगामी वनडे सीरीज के लिए पूरी तरह से फिट हो जाएंगी।

सीरीज में 2-1 से पीछे चल रही इंग्लिश टीम के लिए ये खबर किसी बड़े झटके से कम नहीं है। सिवर-ब्रंट ने पहले दो टी20 मैचों में कप्तानी की थी लेकिन भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन किया हालांकि, तीसरे मैच में भारतीय टीम को हार झेलनी पड़ी। ब्रंट तीसरे टी20 मैच में भी नहीं खेली थी उनकी जगह टैमी ब्यूमोंट ने टीम की अगुवाई की थी। अब बाकी बचे दो मैचों में भी टैमी ब्यूमोंट ही कप्तानी संभालेंगी।

वैभव सूर्यवंशी बल्ले से मचा रहे कहर, इंग्लैंड के खिलाफ इतनी कम गेंदों में शतक ठोक कर रच दिया इतिहास

लंदन (एजेंसी)। वॉर्सेस्टर में भारत और इंग्लैंड की अंडर-19 टीम के बीच वनडे सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जा रहा है। इस मुकाबले में भारत के युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने महज 52 गेंदों में 10 चौकों और 7 छक्कों की मदद से शतक पूरा किया। ये अंडर-19 क्रिकेट के इतिहास में अब तक का सबसे तेज शतक है।

वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे वनडे मैच में अपना अर्धशतक सिर्फ 24 गेंदों में पूरा किया और इसके बाद उन्होंने अपना शतक 52 गेंदों में लगाया। अपनी शतकीय पारी के दौरान वैभव के बल्ले से 8 छक्के और 10 चौके निकले। वैभव यूथ वनडे में भारत की तरफ से सबसे तेज शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में वैभव 86 रन पर आउट हो गए थे। शतक से चूक गए थे, लेकिन चौथे मैच में उन्होंने इस कसर को पूरा कर लिया और अपना शतक जड़ा। 14 वर्षी वैभव का यूथ वनडे मैचों में ये करियर का पहला शतक रहा। वैभव ने इस मैच में 78 गेंदों पर 143 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 10 छक्के और 13 चौके लगाए। इस पारी के दौरान उनका स्ट्राइक रेट 183.33 का रहा।

भारत आखिरी ओवर में चूका, इंग्लैंड ने 5 रन से जीता तीसरा टी20

लंदन (एजेंसी)। केनिंग्टन ओवल में शुक्रवार रात भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की महिला टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम के पास ऐतिहासिक सीरीज जीतने का मौका था, मगर आखिरी ओवरों में बल्लेबाजों के लड़खड़ाने से भारत 5 रन से हार गया। भारत अभी इस सीरीज में 2-1 से आगे है। खेले गए तीसरे टी20 मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और सोफिया डंकले (75) और डैनी व्याट-हॉज (66) की तूफानी साझेदारी से 137 रन जोड़े। इस जबरदस्त शुरुआत के बावजूद इंग्लैंड की पारी 20 ओवर में 9 विकेट पर 171 रन पर सिमट गई। 25 गेंदों में 31 रन के भीतर नौ विकेट गिरने से उनकी पारी ताश के पत्तों की तरह ढह गई। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने 3/27 और अरुंधति रेड्डी ने 3/32 के आंकड़े दर्ज किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत भी धमाकेदार रही। स्मृति मंधाना (56) और शेफाली वर्मा (47) ने कई जीवनदानों का फायदा उठाकर पहले विकेट के लिए 85 रन जोड़े। शेफाली ने 25 गेंदों में सात चौके जड़े और मंधाना ने 38 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत पावरप्ले में 61 रन बना चुका था और 16वें ओवर तक मुकाबला पूरी तरह उसकी पकड़ में था। मगर लॉरेन फाइलर ने 16वें ओवर में मंधाना को आउट कर भारत की गति तोड़ी। इसके बाद इंग्लैंड की गेंदबाजों ने वापसी की। सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन बेल और इस्सी वोंग ने दबाव बनाए रखा। भारत को आखिरी गेंद पर 6 रन चाहिए थे, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर (23) बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में आउट हो गईं और टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 166 रन ही बना सकी।

इंग्लैंड के लिए फाइलर ने 2/30 का शानदार स्पेल किया और अंतिम ओवरों में बेल ने अहम विकेट लेकर इंग्लैंड की जीत सुनिश्चित कर दी। मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा कि 16वें ओवर तक मैच उनके हाथ में था, लेकिन ओस के असर और रणनीति में कमी से टीम चूक गई। उन्होंने गेंदबाजों और फील्डर्स की तारीफ की और माना कि विपक्ष की अच्छी शुरुआत के बावजूद टीम ने शानदार वापसी की। इंग्लैंड की पारी में डंकले ने सात चौके और एक छक्का लगाया जबकि व्याट-हॉज ने सात चौके और तीन छक्के जड़े। भारतीय गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में शानदार वापसी कर इंग्लैंड को संभलने नहीं दिया। अब भारत की नजर मैनचेस्टर में बुधवार को होने वाले चौथे मुकाबले पर होगी, जहां जीत हासिल कर वह ऐतिहासिक सीरीज अपने नाम करना चाहेगा।

अस्ताना में विश्व मुक्केबाज़ी कप में भारत की पदक झोली में बढ़ोतरी

-नूपुर फाइनल में, अविनाश सेमीफाइनल में पहुंचे

अस्ताना । कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में चल रहे विश्व मुक्केबाज़ी कप में भारत ने अपने पदकों की संख्या बढ़ा ली है और मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है। महिलाओं के 80 किलोग्राम वर्ग में भारत की नूपुर ने सेमीफाइनल में जबरदस्त खेल दिखाते हुए तुर्की की सेमा दुस्ताज को 5-0 के एकतरफा फैसले से हराकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। उनके इस जीत के साथ भारत को कम से कम एक रजत पदक सुनिश्चित हो गया है। नूपुर के आत्मविश्वास और आक्रामक रणनीति ने पूरे मुकाबले में विरोधी को कोई मौका नहीं दिया और उन्होंने जजों से सर्वसम्मत फैसला हासिल किया। इससे पहले शुक्रवार को पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में अविनाश जामवाल ने भी अपने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर भारत के लिए एक और पदक पक्का किया। उन्होंने अमेरिका के रेने कैमाचो को सर्वसम्मत निर्णय से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। अविनाश का मुकाबला भी पूरी तरह उनके नियंत्रण में रहा और उनकी सटीक पंचों और बेहतरीन डिफेंस का प्रतिद्वंद्वी के पास कोई जवाब नहीं था। हालांकि कुछ भारतीय मुक्केबाज़ों का सफर क्वार्टर फाइनल में थम गया। नीरज फोगाट (65 किग्रा) और अनामिका (51 किग्रा) अपने-अपने मुकाबलों में हार गए। नीरज ने कड़े मुकाबले में शानदार संघर्ष किया लेकिन विभाजित निर्णय में 3-2 से पराजित हो गए, जिससे उनका अभियान समाप्त हो गया।

लंबे समय से इस दिन का इंतजार था : सिराज

नई दिल्ली । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में अपने करियर का यादगार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 6 विकेट लेकर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। यह खास उपलब्धि सिराज के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि उन्होंने 548 दिन बाद टेस्ट क्रिकेट की किसी एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट चटकाए। अपने इस प्रदर्शन को उन्होंने 'अविश्वसनीय' करार देते हुए कहा कि वे लंबे समय से इस दिन का इंतजार कर रहे थे। सिराज इस मैच में भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई कर रहे हैं क्योंकि नियमित कप्तान और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस मुकाबले के लिए आराम दिया गया है। सिराज ने तीसरे दिन शानदार गेंदबाजी करते हुए पहले सत्र में ही इंग्लैंड की आधी टीम को महज 84 रन पर पवेलियन लौटा दिया। उन्होंने दिन के दूसरे ओवर में लगातार दो विकेट झटके और मैच का रुख पलट दिया। हालांकि इसके बाद इंग्लैंड के बल्लेबाज जेमी स्मिथ (नाबाद 184) और हैरी ब्रूक (158) ने 303 रन की जबरदस्त साझेदारी करके भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाया और स्कोर को 407 रन तक पहुंचा दिया। सिराज ने कहा कि इस पिच पर गेंदबाजी करना आसान नहीं था क्योंकि विकेट धीमी थी। उन्होंने कहा, यह अविश्वसनीय है क्योंकि मैं लंबे समय से इसका इंतजार कर रहा था। मैं लगातार अच्छी गेंदबाजी कर रहा था, लेकिन विकेट नहीं मिल रहे थे। यहां छह विकेट लेना मेरे लिए बहुत खास है। विकेट काफी धीमी थी, इसलिए अनुशासन बनाए रखना जरूरी था। मेरा ध्यान कसी हुई लाइन लेंथ के साथ गेंदबाजी करने और रन रोकने पर था।

6 विकेट सिराज की मेहनत का इनाम हैं : सचिन

-शिराज की घातक गेंदबाज़ी पर फिदा हुए तेंदुलकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाज़ी करके मैच का पूरा नक्शा बदल दिया। मोहम्मद सिराज ने 70 रन देकर छह विकेट चटकाकर इंग्लैंड की मजबूत पारी की कमर तोड़ दी, जबकि आकाश दीप ने 88 रन देकर चार विकेट लेकर उनका शानदार साथ दिया। इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 407 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में भारत ने अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 64 रन बनाकर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली।

सिराज के इस धमाकेदार प्रदर्शन पर महान बल्लेबाज मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर भी उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। सचिन ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा, ÷सिराज में मैंने जो सबसे बड़ा बदलाव देखा है, वह है गेंद को सही जगह पर पहुंचाने में उनकी सटीकता और निरंतरता। उनकी मेहनत का इनाम उन्हें 6 विकेट के रूप में मिला। आकाश दीप ने भी उनका बहुत अच्छा साथ दिया। शाबाश !÷ सचिन ने इंग्लैंड की पारी में ब्रुक और स्मिथ की साझेदारी की भी तारीफ की, जिन्होंने दबाव में रहते हुए बेहतरीन जवाबी हमला किया और अपनी टीम को भारत के स्कोर के करीब पहुंचा दिया, जिसकी किसी ने उम्मीद भी नहीं की थी।

मैच की बात करें तो तीसरे दिन इंग्लैंड की पारी में उतार-चढ़ाव खूब देखने को मिले। इंग्लैंड के ब्रुक और स्मिथ ने मुश्किल हालात में शानदार बल्लेबाज़ी की और भारतीय गेंदबाज़ों पर दबाव बनाया। लेकिन सिराज और आकाश दीप ने लगातार सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाज़ी करते हुए इंग्लैंड के मिडिल और निचले क्रम को ध्वस्त कर दिया। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज ने गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करते हुए दिखा दिया कि भारतीय गेंदबाजी सिर्फ एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। उनकी अगुआई में गेंदबाजों ने मिलकर इंग्लैंड की पूरी पारी 407 रन पर समेट दी।

दूसरी पारी में भारत ने ठोस शुरुआत की और पहले दिन के खेल के खत्म होने तक एक विकेट पर 64 रन बना लिए थे। इससे भारत ने मैच में अपनी स्थिति को और मजबूत कर लिया है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि भारत चौथे दिन अपनी बढ़त को कितनी मजबूती दे पाता है और क्या सिराज दूसरी पारी में भी इसी तरह का शानदार प्रदर्शन दोहरा पाएंगे। भारतीय प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि सिराज की अगुवाई में गेंदबाज फिर से कमाल दिखाएंगे और टीम को जीत दिलाएंगे।

भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम यूरोप दौरे के लिए हुई नीदरलैंड रवाना

बेंगलुरु । कप्तान संजय और उप-कप्तान मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह की अगुवाई में भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम आठ से 20 जुलाई तक चलने वाले यूरोप दौरे के लिए शनिवार सुबह नीदरलैंड के लिए रवाना हो गई। भारत 'ए' टीम यूरोप के तीन शहरों में कुल आठ मैच खेलेगा। भारतीय 'ए' टीम आइंडहोवन (नीदरलैंड) में आयरलैंड, फ्रांस और नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैच तथा एम्सटेलवीन (नीदरलैंड), एंटवर्पेन (बेल्जियम) में इंग्लैंड और बेल्जियम के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगा। यूरोपीय दौरे पर रवाना होने से पहले भारत 'ए' के कप्तान संजय ने कहा, फ्यह दौरा हमारे लिए अपनी ताकत और कमजोरियों को जानने का एक अच्छा परीक्षण मैदान होगा। हमारे पास अनुभवी खिलाड़ियों और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। यह दौरा हमें यह आकलन करने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा प्रदान करेगा कि हम कहाँ खड़े हैं। इस तरह के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन से हमें भविष्य में अपनी मुख्य टीम को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।' उप-कप्तान मोइरंगथेम ने कहा, फ्यह दौरा टीम को शीर्ष यूरोपीय टीमों के खिलाफ खेलने की विभिन्न गतिशीलता और तीव्रता को समझने में मदद करेगा। यहां कुछ युवा खिलाड़ियों को भारत में उनके द्वारा उपयोग की जाने वाली गति से बहुत अलग गति से हॉकी का अनुभव प्रदान करेगा। हमें उम्मीद है कि यह प्रदर्शन हमें और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करेगा।'

पाक टीम के कोच की मैकडरमॉट संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी शेन मैकडरमॉट को पाकिस्तान ने अपनी राष्ट्रीय टीम का नया फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। पाकिस्तान के नए व्हाइट-बॉल हेड कोच माइक हेसन की सिफारिश पर उन्हें चुना गया है। वह सभी प्रारूपों में यह जिम्मेदारी निभाएंगे और उनके दौरे से पहले टीम से जुड़ने की उम्मीद है। इस सप्ताह के अंत तक उनकी नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा हो सकती है। 44 वर्षीय मैकडरमॉट के पास अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट में कोचिंग का लंबा अनुभव है। वह हाई परफॉर्मेंस लेवल थ्री कोचिंग सर्टिफिकेट धारक हैं और बांग्लादेश, श्रीलंका, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट एसोसिएशन और क्रिकेट तस्मानिया जैसी टीमों के साथ काम कर चुके हैं। 2022-23 में वह बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम के सहायक फील्डिंग कोच रहे लेकिन तत्कालीन हेड कोच चंदिका हथुरूसिंघे के साथ मतभेदों के चलते उनका कार्यकाल खत्म हो गया। इससे पहले मैकडरमॉट ने श्रीलंका की सीनियर पुरुष टीम के साथ तीन साल तक फील्डिंग कोच की भूमिका निभाई और वहां श्रीलंका ए टीम की कमान भी संभाली। बांग्लादेश के बाद वह अफगानिस्तान के कोचिंग स्टाफ में शामिल हुए और हाल ही में जून 2024 में खेले गए आईसीसी टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की ऐतिहासिक सेमीफाइनल यात्रा में उनके योगदान की काफी सराहना हुई। अपने करियर के शुरुआती दौर में वह 2012 से 2019 तक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के नेशनल क्रिकेट सेंटर में कई भूमिकाओं में सक्रिय रहे। इस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए टीम के अंतरिम सहायक/ फील्डिंग कोच और विश्लेषक की भूमिका भी निभाई। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए बांग्लादेश दौरे से व्यस्त कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसके बाद टीम वेस्टइंडीज में पांच मैचों की टी20 श्रृंखला खेलेगी। इस सप्ताह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद को टेस्ट टीम का कार्यवाहक मुख्य कोच नियुक्त किया है। साथ ही बोर्ड सलमान आगा को सभी प्रारूपों का कप्तान बनाए जाने की तैयारी कर रहा है, जिससे शान मसूद (टेस्ट) और मोहम्मद रिजवान (वनडे) की कप्तानी समाप्त हो जाएगी।

विराट ने बताया किस प्रकार अनुष्का के परिवार का हिस्सा बन गए

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के अपनी पत्नी अनुष्का के परिवार वालों के साथ भी काफी अच्छे संबंध हैं। विराट और अनुष्का की शादी साल 2017 को हुई थी। उसके बाद से ही कई बार, अनुष्का के माता-पिता को उनके साथ या बच्चों के साथ खास समय बिताते उन्हें देखा गया है। वहीं एक साक्षात्कार में विराट ने कहा था कि कैसे वह आसानी से अनुष्का के परिवार का हिस्सा बन गए। इस बातचीत में साथी क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा, 'आपने अनुष्का के माता-पिता को अपने माता-पिता की तरह अपना लिया है।' इसपर विराट ने जवाब दिया, 'यह बहुत खास है। पहले दिन से ही ये रिश्ता काफी खूबसूरत था। पहले ही दिन से, जब भी अनुष्का से से मिला या मिलने गया, मुझे कभी अलग महसूस नहीं हुआ। ' विराट ने अनुष्का के पिता और पूर्व सेना अधिकारी अजय कुमार शर्मा के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी बात की थी। उन्होंने बताया किया, 'अब भी, मेरे ससुर और मैं दोस्त की तरह हैं। मैं उनसे सब कुछ साझा कर सकता हूं। वह सेना अधिकारी रहे हैं इस कारण उनका रवैया बहुत निडर और स्पष्ट है। जब मैं उनसे किसी भी चीज के बारे में बात करता हूं, तो वो पल खास होता है।' विराट ने अनुष्का की मां और भाई की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'मेरी सासू मां और मेरे साले भी बहुत अच्छे इंसान हैं। सब इतने प्यारे और दिल से अपनाने वाले हैं कि कभी लगा ही नहीं कि मैं अलग हूं।'' विराट ने आगे कहा, 'वे सभी इतने दिल से स्वीकार करने वाले और स्वागत करने वाले हैं। आप उनके साथ रहेंगे तो आप महसूस करेंगे कि जब आप इतने स्वाभाविक रूप से उन लोगों के साथ मिल जाते हैं, जो आपको इतनी जल्दी स्वीकार करते हैं कि रिश्ते केवल आपसी सम्मान और समझ और बिना शर्त प्यार पर आधारित होते हैं।'

डी. गुकेश का कमाल, 19 साल की उम्र में रैपिड खिताब जीतकर रचा इतिहास

ज़ाग्रेब (एजेंसी)। क्रोएशिया के शहर ज़ाग्रेब में चल रहे सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भारत के 19 वर्षीय विश्व शतरंज चैम्पियन डी. गुकेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रैपिड खिताब जीत लिया। ग्रैंड चेस टूर 2025 का हिस्सा रहे इस टूर्नामेंट में गुकेश ने रैपिड प्रारूप में 18 में से 14 अंक हासिल किए। उनकी जीत ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह अब विश्व स्तर पर एक बेहद मजबूत और खतरनाक खिलाड़ी बन चुके हैं।

प्रतियोगिता की शुरुआत गुकेश के लिए आसान नहीं रही। पहले ही राउंड में उन्हें पोलैंड के जान-क्ज़ीष्टॉफ़ डूडा से हार झेलनी पड़ी। लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लगातार पांच मुकाबले जीत लिए। इनमें सबसे अहम जीत विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ चौथे राउंड में आई। इस जीत ने उन्हें टूर्नामेंट की बढ़त दिलाई और बाकी खिलाड़ियों पर दबाव बना दिया। फाइनल राउंड में गुकेश ने अमेरिका के अनुभवी खिलाड़ी वेस्ली सो को 36 चालों में हराकर खिताब पर निर्णायक मुहर लगा दी। इस मुकाबले में उन्होंने विरोधी की एक मामूली गलती को बेहद कुशलता से भुनाया। उनका रैपिड रिकॉर्ड 6 जीत, 2 ड्रॉ और 1 हार रहा, जो उनकी लगातार स्थिरता और रणनीतिक गहराई का प्रमाण है। तीसरे दिन के खेल में भी गुकेश ने अपना संयम और तैयारी दिखाई।

डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी के खिलाफ उनका मुकाबला ड्रॉ रहा, जबकि क्रोएशिया के इवान शारिक के खिलाफ उन्होंने 87 चालों का लंबा मैच खेला। इसमें उन्होंने मार्शल गैम्बिट का इस्तेमाल किया और यह भी ड्रॉ पर समाप्त हुआ, लेकिन इससे उनकी लड़ाकू मानसिकता और जीत के जज्बे की झलक साफ दिखी। टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन ने अंतिम दिन फैबियानो कारुआना के खिलाफ जीत दर्ज की, लेकिन नोडिरबेक अब्दुसत्तारोव से ड्रॉ खेलने के चलते वह गुकेश को चुनौती नहीं दे पाए। वहीं, डूडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। भारत के एक और युवा खिलाड़ी आर. प्रग्गनानंद का प्रदर्शन अपेक्षाकृत धीमा रहा। उन्होंने 9 मैचों में एक जीत और 7 ड्रॉ खेले और कुल 9 अंक बनाए। हालांकि ज़ाग्रेब में उनका प्रदर्शन कमजोर रहा, लेकिन ग्रैंड चेस टूर के अन्य चरणों में शानदार नतीजों के कारण वह समग्र रैंकिंग में मजबूत दावेदार बने हुए हैं। अब इस टूर्नामेंट का

ब्लिट्ज चरण शनिवार से शुरू होगा और 6 जुलाई को समाप्त होगा, जिसके बाद रैपिड और ब्लिट्ज दोनों के संयुक्त अंकों से कुल विजेता का फैसला होगा।

शनाया कपूर के लिए विक्रांत को-स्टार ही नहीं मेंटर भी

शनाया कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म आंखों की गुस्ताखियां के प्रमोशन में जुटी हैं। उनके अपोजिट विक्रांत मैसी हैं। इस फिल्म से डेब्यू को तैयार अभिनेत्री ने कहा कि अपने को-स्टार से उन्होंने बहुत कुछ सीखा। शनाया कपूर ने बातचीत के दौरान विक्रांत मैसी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि, विक्रांत का स्वभाव बहुत अच्छा है, वो मदद को तैयार रहते हैं। उनके इस नेचर ने मुझे सेट पर काफी सहज महसूस कराया। वह सेट पर मेरे को-स्टार होने के साथ-साथ मेंटर भी थे, जिसने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने में मदद की। अभिनेत्री ने आगे बताया कि, मुझे लगता है कि पहली चीज जो मैंने उनसे सीखी है वह यह है कि एक इंसान के तौर पर वह बहुत उदार हैं, जो उनके काम में भी दिखता है, और मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात है, क्योंकि वह सच में एक समर्पित अभिनेता हैं। एक अभिनेता के तौर पर हम बस अपनी लाइन, किरदार और कॉस्टयूम के बारे में सोचते रहते हैं। मैंने एक अभिनेता के तौर पर सीखा कि सबसे पहले आपको एक समर्पित अभिनेता बनना पड़ेगा और पूरे सीन के बारे में सोचना

पड़ेगा। आप बस अपने बारे में नहीं सोच सकते हैं। लेकिन इससे भी अच्छी जो उनकी खासियत थी, वह यह कि उन्होंने मुझे सेट पर सहज महसूस करवाया। उन्होंने सेट पर कभी मुझे यह महसूस नहीं होने दिया कि मैं नई कलाकार हूं, और यह एक अनुभवी अभिनेता की निशानी है यह अविश्वसनीय है क्योंकि उन्हें मेरे लिए ऐसा करने की जरूरत नहीं थी, लेकिन उन्होंने ऐसा किया। अभिनेत्री ने याद करते हुए बताया कि कैसे विक्रांत अक्सर सीन पर उनसे इनपुट मांगते थे, जैसे कि, तुम मुझे भी बताओ, तुम्हें कैसा लग रहा है? तुम्हें क्या लगता है? क्या हमें इसे इस तरह से करना चाहिए या उस तरह से? अभिनेत्री ने प्रशंसा की कि एक नए व्यक्ति के लिए, ऐसा माहौल आश्चर्यजनक और आरामदायक दोनों था।

अजय देवगन और मेरे बीच फिल्मों को लेकर कभी झगड़ा नहीं हुआ

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल ने अपने पति अजय देवगन के साथ काम करने के अनुभव के बारे में आईएएनएस से बात की। उन्होंने कहा कि जब भी वे फिल्मों को लेकर साथ काम करते हैं, तो उनके बीच कभी कोई लड़ाई या झगड़ा नहीं होता। इंटरव्यू में काजोल ने बताया कि दोनों के बीच एक-दूसरे के लिए बहुत इज्जत और समझदारी है, चाहे वो काम से जुड़ी बात हो या घर की। वह अजय के वित्तीय फैसलों में दखल नहीं देतीं, क्योंकि उन्हें भरोसा है कि अजय के पास इस काम के लिए बेहतर सलाहकार हैं।

काजोल ने कहा, पैसों के मामलों में अजय के पास सलाह देने वाले कई लोग हैं, जो उन्हें बताते हैं कि क्या करना है और क्या नहीं। मैं उस मामले में दखल नहीं देती। जहां तक फिल्म मां का सवाल है, तो हां, हमने इस पर काफी लंबी बातचीत की थी। हमें फिल्म का क्लाइमेक्स भी फिर से शूट करना पड़ा, क्योंकि उसमें वीएफएक्स और एक्शन जैसे कुछ काम बाकी थे। कुल मिलाकर हम दोनों की सोच इस फिल्म को लेकर मिलती-जुलती रही। हमारे बीच कोई बड़ी बहस या झगड़ा नहीं हुआ। काजोल ने अजय देवगन के प्रोड्यूसर बनने के सफर के बारे में बात करते हुए कहा, वह बहुत ही अच्छे प्रोड्यूसर हैं। स्क्रिप्ट से लेकर वीएफएक्स तक, वह हर चीज में खुद शामिल रहते हैं। यहां तक कि फिल्म की मार्केटिंग भी उन्होंने अपनी देखरेख में की। वह ध्यान रखते हैं कि सब कुछ अच्छे से हो और सही तरीके से काम हो। मैं कह सकती हूं कि वह एक बेहतरीन प्रोड्यूसर हैं। काजोल ने कहा, मैं मानती हूं कि अजय एक ऐसे प्रोड्यूसर हैं, जो साफ सोच रखते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि उनकी कंपनी से जो भी फिल्म निकले, वो अच्छी हो, ऐसी हो जिस पर वह गर्व कर सकें और कह सकें कि यह उनकी फिल्म है। कई बार पैसे बचाने के लिए क्वालिटी से समझौता करना आसान होता है, लेकिन अजय ने कभी ऐसा नहीं किया। एक प्रोड्यूसर के तौर पर यह बहुत बड़ी बात है। इसके लिए मैं उनकी तारीफ करती हूं।

दीपिका को मिला हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम सम्मान

दीपिका पादुकोण को 2026 हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम सम्मान के लिए चुना गया है। यह सम्मान पाने वाली वो पहली भारतीय हैं। हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम सम्मान मिलने के बाद दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में इसे लेकर रिएक्शन दिया है। उन्होंने ने अपनी स्टोरी में इसके लिए आभार जताया है। हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम को मैनेज करने वाली आधिकारिक संगठन 'हॉलीवुड चैंबर ऑफ कॉमर्स' की तरफ से 2 जुलाई को इंस्टाग्राम पर यह खबर शेयर की गई है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा- 'मोशन पिक्चर्स, टेलीविजन, लाइव थियेटर/लाइव परफॉरमेंस, रेडियो, रिकॉर्डिंग और स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट कैटेगरी में एंटरटेनमेंट प्रोफेशनल के एक नए ग्रुप को हॉलीवुड चैंबर ऑफ कॉमर्स के वॉक ऑफ फेम चयन पैनल द्वारा हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम पर स्टार प्राप्त करने के लिए चुना गया है। हमें 2026 के वॉक ऑफ फेम क्लास में आपका स्वागत करते हुए गर्व हो रहा है!' इसके साथ ही उन्होंने हर कैटेगरी के लिए चुन गए आर्टिस्ट का नाम शेयर किया है। दीपिका को मोशन पिक्चर्स कैटेगरी में सम्मान के लिए चुना गया है। इस लिस्ट में दीपिका के अलावा टिमोथी चालमेट, रेचल मैकएडम्स, डेमी मूर, स्टेनली टुची, रामी मालेक और एमिली ब्लंट जैसे इंटरनेशनल आर्टिस्ट शामिल हैं। हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम कैलिफोर्निया का फेमस टूरिस्ट लोकेशन है।

मुझे प्रभावित करती है केके मेनन की शैली

मोस्टअवेटेड जासूसी-थ्रिलर स्पेशल ऑप्स 2, 11 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली है। इस सीरीज में एक्टर ताहिर राज भसीन खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। ताहिर ने अपने को-एक्टर केके मेनन के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया और बताया कि उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। ताहिर ने केके मेनन के साथ एक्टिंग को एक बड़ी उपलब्धि और चुनौती बताया। उन्होंने कहा, केके मेनन जैसे दिग्गज एक्टर के सामने काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैंने उनके हीरो और विलेन दोनों किरदारों को देखकर बहुत कुछ सीखा है। हिम्मत सिंह के रूप में उनकी एक्टिंग, गंभीरता दर्शकों को बेहद पसंद है। हालांकि, मेरा किरदार ऐसा है, जो कहानी में तनाव को और बढ़ाता है, जिसमें सहजता और चतुराई दोनों का तड़का है। ताहिर ने मेनन से मिली सीख का जिक्र करते हुए कहा, केके सर से मैंने सेट पर और बाहर दोनों जगह बहुत कुछ सीखा। उनकी धैर्यपूर्ण और सादगी भरी शैली मुझे बहुत प्रभावित करती है। जिंदगी के अनुभवों से भरी बातचीत से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। स्पेशल ऑप्स 2 में केके मेनन एक बार फिर अधिकारी हिम्मत सिंह की भूमिका में दिखेंगे। इस बार हिम्मत एक ऐसी जंग लड़ते हैं, जो दिखाई नहीं देती। मेनन ने अपने किरदार के बारे में कहा, हिम्मत सिंह हमेशा बुद्धि, साहस और जज्बे के साथ लड़ता है। इस बार चुनौती और भी जटिल है। यह सीजन न केवल देश की सुरक्षा के मुद्दों को उठाता है, बल्कि हिम्मत के निजी जीवन, एक पिता और देशभक्त की भावनाओं को भी उजागर करता है। शिवम नायर के निर्देशन में तैयार इस सीरीज में ताहिर राज भसीन, केके मेनन के साथ एक्टर प्रकाश राज, विनय पाठक, सयामी खेर, इब्राहिम, गौतमी कपूर, परमीत सेठी और काली प्रसाद मुखर्जी जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में हैं। स्पेशल ऑप्स 2 साइबर और राष्ट्रीय सुरक्षा की पृष्ठभूमि में एक रोमांचक कहानी पेश करती है। सीरीज का प्रीमियर 11 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर होगा।

प्रियंका ने 'हेड्स ऑफ स्टेट' के प्रीमियर पर काम को लेकर की बात

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपनी नई फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट के लंदन प्रीमियर में रेड कार्पेट पर शानदार मौजूदगी दर्ज की। उन्होंने बताया कि वह ऐसी भूमिकाएं चुनती हैं, जो हल्की न हों, बल्कि कहानी को आगे बढ़ाएं। एक इंटरव्यू के दौरान. प्रियंका चोपड़ा ने कहा, मैं अपने काम पर गर्व करना चाहती हूं।

इस फिल्म में वह नोएल बिसेट नाम की एक तेज-तर्रार MI6 एजेंट की भूमिका में हैं, जो हमेशा दस कदम आगे सोचती है। उन्होंने बताया कि उन्हें ऐसी महिलाओं के किरदार निभाना पसंद है, जो कहानी का हिस्सा बनें, न कि सिर्फ सजावट हों। इस एक्शन-कॉमेडी फिल्म में उनकी बुद्धिमानी, कॉमेडी और एक्शन का शानदार मिश्रण देखने को मिलता है।

फिल्म और सह-कलाकार

इल्या नैशुल्लर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में इदरीस एल्बा और जॉन सीना जैसे बड़े सितारे हैं, जो विश्व नेताओं की भूमिका में हैं, जबकि प्रियंका की किरदार कहानी को जोड़े रखती है। फिल्म में पैडी कॉन्सिडाइन, कार्ला गुगिनो और जैक क्वैड जैसे कलाकार भी हैं। प्रीमियर में प्रियंका के पति निक जोनस के अलावा कई सेलेब्स ने शिरकत की।

प्रियंका की सलाह

प्रियंका ने अपने अनुभव शेयर करते हुए कहा, अभ्यास से ही पूर्णता आती है। असफलता मिले तो हार मत मानो। उन्होंने सलाह दी कि अपने लक्ष्यों पर ध्यान दो और नकारात्मक लोगों की बातों को नजरअंदाज करो। जो लोग आपसे प्यार करते हैं, उन पर ध्यान दो, बाकी लोग मायने नहीं रखते।

रणबीर के साथ 'रामायण' में मुख्य किरदार निभा रहे हैं रवि दुबे

रणबीर कपूर की आगामी फिल्म 'रामायण' आने वाली बॉलीवुड की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। इस फिल्म का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब 'रामायाण' की पहली झलक कल यानी 3 जुलाई को आने वाली है। इसको लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। उम्मीद है कि इस दिन फिल्म से राम और रावण के लुक सामने आ सकते हैं। भारी भरकम स्टारकास्ट वाली इस फिल्म में रणबीर कपूर राम, साई पल्लवी सीता और यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। इसके अलावा सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण का किरदार निभा रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि सुपरस्टार्स से भरी इस फिल्म में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले रवि दुबे कौन हैं? हाल ही में रामायण के सेट से एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें रणबीर कपूर रवि दुबे को गले लगाते दिखे थे। ये वीडियो फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद का बताया जाता है। आइए जानते हैं लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले रवि दुबे के बारे में।

टेलीकॉम इंजीनियरिंग में हासिल की डिग्री

रवि दुबे का जन्म उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 23 दिसंबर 1983 को हुआ था। रवि के पिता एक सिविल इंजीनियर हैं। हालांकि, रवि दुबे के जन्म के बाद ही उनका परिवार दिल्ली चला आया था। रवि दुबे ने मुंबई के राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से टेलीकॉम इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की है। कॉलेज के दिनों में ही शुरू की मॉडलिंग रवि दुबे ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की। उन्होंने अपने कॉलेज के दौरान ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी।

टीवी से की करियर की शुरुआत

इसके बाद वो कई विज्ञापनों में नजर आए। यही नहीं रवि ने एक्टिंग में अपना पहला ब्रेक मिलने से पहले ही अलग-अलग ब्रांड्स के लिए तकरीबन 40 से ज्यादा विज्ञापन कर लिए थे। इसके बाद उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2006 में आए डीडी नेशनल के शो 'स्त्री तेरी कहानी' से की। इस शो को दिलीप कुमार और सायरा बानो ने प्रोड्यूस किया था। इसके बाद रवि 'यहां के हम सिकंदर', 'रणबीर रानो', '12/24 करोल बाग' और 'सास बिना ससुराल' जैसे कई डेली सोप में नजर आए। हालांकि, रवि को टीवी सीरियल्स की दुनिया में सफलता 2014 में आए डेली सोप 'जमाई राजा' से मिली।

कई रियलटी शो में आए नजर और किए होस्ट

कई डेली सोप में काम करने के बाद रवि कई रियलटी शो में भी नजर आए। इनमें 'कॉमेडी सर्कस', 'कहानी कॉमेडी सर्कस की', 'नच बलिये 5', 'फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी', 'लिप सिंग बैटल' जैसे रियलटी शो शामिल हैं। नच बलिये में रवि सरगुन मेहता के साथ नजर आए थे। जो अब उनकी पत्नी हैं। इसके बाद रवि ने कई रियलटी शोज को होस्ट भी किया। इनमें इंडियाज डांसिंग सुपरस्टार, फैशन का जलवा, सबसे स्मार्ट कौन और सा रे गा मा लिटिल चैंप्स शामिल हैं। सरगुन मेहता से की शादी, बाद में साथ मिलकर खोला खुद का प्रोडक्शन हाउस अगर पर्सनल लाइफ की बात करें तो रवि दुबे ने साल 2013 में अभिनेत्री सरगुन मेहता से शादी कर ली। रवि ने सरगुन को रियलटी शो में ही प्रपोज किया था। 2019 में रवि दुबे ने पत्नी सरगुन के साथ ड्रीमियाता एंटरटेनमेंट के नाम से अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू किया। जिसके अंतर्गत उन्होंने कई पंजाबी फिल्में, म्यूजिक एल्बम और सिंगल सॉन्ग प्रोड्यूस किए हैं। रवि दुबे ने फिल्मों में अपनी शुरुआत साल 2011 में आई फिल्म 'यू आर माय जान' से की थी। इस फिल्म में रवि छोटी सी भूमिका में नजर आए थे। इस फिल्म को अभिनेता अरुण गोविल ने डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया था। हालांकि, रवि दुबे को पहचान टीवी शो 'जमाई राजा' और रियलटी शोज से ही मिली। इसके अलावा उनके अभिनय की तारीफ 2021 में 'मत्स्य कांड' में काफी हुई थी। इसमें पीयूष मिश्रा और रवि किशन जैसे अभिनातओं के सामने रवि ने अपनी एक्टिंग की छाप छोड़ी थी। इसके अलावा रवि कुछ एक और वेब सीरीज में भी नजर आए हैं। साथ ही 'वे हानिया' जैसे सुपरहिट सिंगल सॉन्ग में भी रवि दुबे दिखाई दिए हैं।

'रामायण' से बदलेगा रवि का करियर !

अब 'रामायण' में लक्ष्मण के किरदार निभाना रवि दुबे के करियर के लिए टर्निंग प्वाइंट हो सकता है। क्योंकि नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में एक से बढ़कर एक दिग्गज सुपरस्टार नजर आने वाले हैं। वहीं इस फिल्म को लेकर जबरदस्त बज क्रिएट है और ये भारतीय सिनेमा की एक बड़ी फिल्म बन सकती है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।